महर्षि वैदिक स्वरः

(महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय की आंतरिक समाचार पत्रिका)

जुलाई 2024 से जून 2025

संरक्षक

वेद विद्या मार्तण्ड ब्रह्मचारी गिरीश जी

प्रो. प्रमोद कुमार वर्मा

मुख्य संपादक

डॉ. जय प्रकाश शुक्ल

सह संपादक

डॉ. कृष्ण कुमार त्रिपाठी

कार्यकारी संपादक

डॉ. नेहा मिश्रा

महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय

ब्रह्मस्थान करौंदी (भारत का भौगोलिक केंद्र बिंदु)

कटनी, मध्य प्रदेश

!! जय गुरुदेव !!

महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय

ब्रह्मस्थान करौंदी, पोस्ट-महनेर, जिला कटनी (म.प्र.) 483332

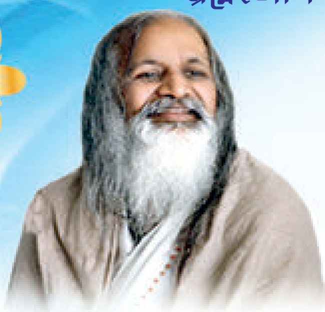

सन-1918-2008

महर्षि वैदिक स्वरः

जुलाई 2024-जून 2025

महर्षि महेश योगी जी के सुविचारः - जिम्मेदारी कभी नहीं दी जा सकती है, इसे केवल लिया जा सकता है..

वेद विद्या मार्तण्ड ब्रह्मचारी
डॉ. गिरीश चंद्र वर्मा

माननीय कुलाधिपति महोदय जी की कलम से....

महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय द्वारा त्रैमासिक और क्रमशः मासिक समाचार पत्रिका "महर्षि वैदिक स्वरः" के प्रकाशन के संकल्प के लिए माननीय कुलगुरु एवं विश्वविद्यालय परिवार को अनेकानेक हार्दिक बधाइयाँ । स्मरण कराना चाहेंगे कि यह महर्षि संस्थान का भारतवर्ष में प्रथम विश्वविद्यालय है,भारतवर्ष में प्रथम गैर सरकारी विश्वविद्यालय है और भारतवर्ष का प्रथम वैदिक विश्वविद्यालय है। इस विश्वविद्यालय की स्थापना का पवित्र उद्देश्य भारतीय शाश्वत वैदिक ज्ञान-विज्ञान,चेतना-विज्ञान और वैदिक परम्पराओं को वर्तमान आधुनिकतम शिक्षा की मूल धारा में सम्मिलित करके विद्यार्थियों की आगे आने वाली समस्त पीढ़ियों को जीवनपरक पूर्ण ज्ञान उपलब्ध कराना और उन्हें ओजवान, तेजवान,सर्वसमर्थ चेतनावान, मानसिक और शारीरिक रूप से पूर्ण स्वस्थ, साहसी, प्रबुद्ध और अजेय भारतीय नागरिक के रूप में विकसित करना है और भारत के इन गुणी नागरिकों के माध्यम से सम्पूर्ण विश्व के जनमानस को विश्व शांति, सौहार्दता और परस्पर सहयोग के द्वारा निरंतर प्रगति का सन्देश देना है। परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी ने संपूर्ण विश्व में वैदिक ज्ञान-विज्ञान का अजेय ध्वज फहराकर एक अभूतपूर्व और ऐतिहासिक कार्य किया है और अब महर्षि जी के शैक्षिणक संस्थानों का यह परम दायित्व है कि वे इस पुनीत कार्य को विश्व परिवार के हित में संरक्षित करें, संवर्धित करें और नवीन गति प्रदान करें । महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय इस क्रम में सर्वोपरि है और उसका दायित्व भी सर्वाधिक है । महर्षि जी का लगभग 70 वर्ष पूर्व का पावन संकल्प और इस दिशा में किया गया वैश्विक कार्य अब प्रभावी और प्रमाणित हो रहा है । राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में अब कुछ प्रावधान भारतीय ज्ञान परंपरा के अध्ययन-अध्यापन के विषय में सम्मिलित किये गये हैं, जो स्वागत योग्य है । अभी इस नीति में ज्ञान के समस्त क्षेत्रों को चेतना से जोड़ना और मानव-चेतना की पूर्ण जाग्रति का विधान जोड़ना शेष रह गया है ,जो कि अगली नीति में जुड़ जायेगा ऐसा विश्वास है । शासन जब करेगा तो करेगा, हमें तो निरंतर, अबाधित रूप से इस दिशा में अपने कार्य को द्रुत गति से करते चलना है । आत्मचेतना की जाग्रति, चेतना की उच्चावस्थाओं का अनुभव और भगवान श्रीकृष्ण के गीता में उपदेशित 'योगस्थः कुरु कर्माणि', "योगः कर्मशु कौशलम्" का ज्ञान और अभ्यास पूरे समाज को करा देना है,सामूहिक चेतना में सतोगुण की अभिवृद्धि कराकर सुखी, तनाव रहित, समस्या विहीन, स्वस्थ, निर्मल और आनंदमय समाज की स्थापना, यही महर्षि विश्वविद्यालय का समाज के लिए महती योगदान होगा । विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक कुलगुरु प्रोफेसर प्रमोद के. वर्मा जी और गुरुजनों के ज्ञानमय मार्गदर्शन में न केवल विद्यार्थी वरन् सम्पूर्ण समाज का हितकारी विकास हो, यही मंगल कामना है।

****

!! जय गुरुदेव !!

महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय

ब्रह्मस्थान करौंदी, पोस्ट-महनेर, जिला कटनी (म.प्र.) 483332

सन-1918-2008

महर्षि वैदिक स्वरः

जुलाई 2024-जून 2025

महर्षि महेश योगी जी के सुविचारः - जिम्मेदारी कभी नहीं दी जा सकती है, इसे केवल लिया जा सकता है..

प्रो. प्रमोद कुमार वर्मा

माननीय कुलगुरु महोदय जी की कलम से....

ब्रह्लीन महर्षि महेश योगी जी द्वारा भारत के ब्रह्स्थान में स्थापित 'महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय' 'यथा नाम तथा गुण' को चरितार्थ कर रहा है। प्राचीन भारतीय ज्ञान-परंपरा की जीवन-शैली को अंगीकृत कर यह विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को आधुनिक ज्ञान-विज्ञान की उंचाइयों तक आरोहित करने हेतु सतत् प्रगतिशील है। विश्वविद्यालय के समस्त पाठ्यक्रमों की संरचना विद्यार्थियों को ज्ञान-विज्ञान, शोध, नवाचार, आध्यात्मिक, मानसिक, शारीरिक विकास के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों को समझने एवं राष्ट्रहित में कार्य करने हेतु प्रेरित करता है।

''महर्षि वैदिक स्वरः'' का यह अंक विश्वविद्यालय की इन्हीं भावनाओं को परिलक्षित करता है,विगत दिनों के विश्वविद्यालय के चतुर्दिश क्रिया-कलापों का यह दर्पण है। महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय में ज्ञान-विज्ञान एवं अध्यात्म का संगम है तथा उत्कृष्टता ही इसका लक्ष्य है।

****

शैक्षणिक गतिविधियाँ

1. शैक्षणिक संगोष्ठियाँ

- ***'स्वच्छता ही सेवा' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी***

विश्वविद्यालय में 01 अक्टूबर, 2024 को 'स्वच्छता ही सेवा' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की मुख्य अतिथि श्रीमती विंकी सिंहमारे, अनुविभागीय अधिकारी, ढीमरखेड़ा, कटनी थी। मुख्य अतिथि महोदया ने अपने उदबोधन में कहा कि गंदगी हमारे आसपास के वातावरण और जीवन को प्रभावित करती है। हमें व्यक्तिगत सफाई के साथ-साथ आसपास की सफाई अवश्य रखनी चाहिए और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए। कुलगुरु आचार्य प्रमोद कुमार वर्मा ने अपने अध्यक्षीय उदबोधन में कहा कि स्वच्छता, स्वच्छ रहने की अवस्था है। उन्होंने कहा कि शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए स्वच्छता बहुत आवश्यक है। यह हमें गंदगी और बीमारियों से दूर रहने के साथ-साथ स्वस्थ और खुशहाल जीवन जीने में मदद करती है। तत्पश्चात् महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के द्वारा करौंदी स्थित **भारत के भौगोलिक केंद्र बिंदु** पर सफाई आयोजन किया गया।

- ***भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम और भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी***

विश्वविद्यालय में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) तथा राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र के क्षेत्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (मध्य), नागपुर के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 18 फरवरी 2025, मंगलवार को भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम, "भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियाँ तथा सामाजिक अनुप्रयोग" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु आचार्य प्रमोद कुमार वर्मा ने की तथा मुख्य अतिथि के रूप में इसरो एन.आर.एस.सी. नागपुर से वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं महाप्रबंधक डॉ. जी. श्रीनिवासन जी उपस्थित रहे। विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. डी.एस. प्रकाश राव और श्री टी.पी. गिरीश कुमार (एन.आर.एस.सी, नागपुर) ने भी कार्यशाला की शोभा बढ़ाई।

कार्यशाला को तीन तकनीकी सत्रों में विभाजित किया गया— प्रथम सत्र: "भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम का अवलोकन" शीर्षक से आयोजित इस सत्र में डॉ. श्रीनिवासन ने इसरो की बैलगाड़ी से लेकर गगनयान और चंद्रयान तक की विकास यात्रा पर विस्तार से प्रकाश डाला। द्वितीय सत्र: डॉ. डी.एस. प्रकाश राव व श्री टी.पी. गिरीश कुमार द्वारा "सुदूर संवेदन प्रौद्योगिकी, जीआईएस और जीपीएस" पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया, जिसमें रिमोट सेंसिंग, डिजिटल मैपिंग, एरियल फोटोग्राफी, स्कैनर सर्वे आदि तकनीकों के वैज्ञानिक अनुप्रयोगों और सामाजिक उपयोगिता को समझाया गया। तृतीय सत्र: ट्युटोरियल,प्रैक्टिकल,प्रदर्शन सत्र के अंतर्गत इसरो से संबंधित तकनीकी प्रदर्शनी आयोजित की गई, जिसमें छात्रों ने रॉकेट तकनीक, सैटेलाइट और नेविगेशन सिस्टम के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त की। इस सत्र ने विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यशाला के संरक्षक कुलगुरु आचार्य प्रमोद कुमार वर्मा रहे, जबकि समन्वयक की भूमिका में विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी डॉ. के.के. त्रिपाठी जी ने कार्यशाला को सफलतापूर्वक संचालित किया। कार्यशाला विश्वविद्यालय एवं अन्य संस्थानों के लगभग 200 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। साथ ही विश्वविद्यालय के सभी विभागाध्यक्ष, सहायक प्राध्यापक एवं अन्य कर्मियों ने आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। यह कार्यशाला न केवल अंतरिक्ष विज्ञान के तकनीकी पहलुओं को समझने का मंच बनी, अपितु विद्यार्थियों में शोध, नवाचार और वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास सिद्ध हुई।

- ***पंचांग श्रवण महात्म्य विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी***

दिनांक **2 अप्रैल 2025 को 2082 विक्रम संवत्** के उपलक्ष्य में नव संवत्सर पर महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय, करौंदी में वेद विभाग एवं ज्योतिष विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में **पंचांग श्रवण महात्म्य** विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया । संगोष्ठी का प्रारंभ भारतीय सनातन परंपरा का निर्वहन करते हुए गुरु पूजन से हुआ। कार्यक्रम का परिचय योग

विभागाध्यक्ष डॉ नितेश्वर चतुर्वेदी ने दिया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. जय प्रकाश शुक्ल ने भारतीय नव वर्ष पर अपना उद्बोधन दिया । उन्होंने कहा कि नव संवत्सर हमारे लिए न केवल एक नया साल है, बल्कि यह प्रकृति के पुनर्जन्म, सकारात्मकता और नई ऊर्जा का प्रतीक भी है। तदुपरांत पंचांग श्रवण महात्म्य पर विश्वविद्यालय के वरिष्ठ आचार्य मानवेन्द्र पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में कहा कि पंचांग श्रवण मात्र से गंगा स्नान का फल प्रत्येक प्राणी को प्राप्त होता है | उनके द्वारा पंचांग के विभिन्न अंगों पर विस्तृत प्रकाश डाला गया । वर्ष 2025 में विश्व का फलादेश बताते हुए कहा कि वैश्विक स्तर पर किस तरह की घटनाएं घटने की संभावना है और उनसे बचने के क्या उपाय हो सकते हैं तथा उन्होंने यह भी कहा कि ग्रह नक्षत्र किस

तरह मनुष्य जीवन के स्वास्थ्य व अंगों को प्रभावित करते हैं और उनसे किस तरह के रोग हो सकते हैं और उन रोगों के क्या निवारण हो सकते हैं | तत्पश्चात माननीय कुलगुरु महोदय ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि भारतीय पंचांग अति सुदृढ़ है, हमारे मनीषियों ने प्रारंभ में ही काल गणना की इतनी सटीक जानकारियां प्रदान की हैं जिससे वैज्ञानिक आज भी लाभ उठा रहे हैं और यह अनुसंधान का विषय है जो नित नवीन आयामों को स्थापित कर सकता है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के आचार्यगण, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

2. अतिथि व्याख्यान

- ***पोषण एवं संतुलित आहार***

विश्वविद्यालय में दिनांक 27 जुलाई 2024 को **"पोषण एवं संतुलित आहार"** विषय पर व्याख्यान का आयोजन हुआ। व्याख्यान हेतु प्रो. स्वाती भदौरिया, गृह विज्ञान विभाग, आर्य कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, झांसी उपस्थित रहीं। प्रो. भदौरिया ने मनुष्य जन्म को दुर्लभ बताते हुए ***शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्*** अर्थात् धर्म साधन हेतु शरीर का स्वस्थ रहना अत्यावश्यक है। अतः सात्विक आहार के महत्त्व को उद्धृत करते हुए श्रीमद्भगवद्गीता के विभिन्न उदाहरण को प्रस्तुत कर उन्होंने छात्रों को "पोषण से संबंधित खाद्य पदार्थ एवं शरीर में उनके योगदान के विषय में बतलाया, साथ ही विटामिन्स की कमी से क्या-क्या रोग होते हैं और हमें अपने शरीर के लिए प्रोटीन , कार्बोहाइड्रेट, वसा, विटामिन्स, खनिज लवण, रेशीय पदार्थ इत्यादि के माध्यम से स्वस्थ शरीर हेतु अथवा कमियों को कैसे पूरा करना है तथा अपेंडिक्स जैसे रोग का कारण एवं निराकरण से भी अवगत कराया। व्याख्यान के पश्चात् अभ्यागत प्रो. स्वाती भदौरिया के सम्मान में विश्वविद्यालयी दैनन्दिनी प्रदान की गई। इस कार्यक्रम में वेद विभागीय छात्र उपस्थित रहे।

3. पाठ्येत्तर शैक्षणिक कार्यक्रम

- ***दीक्षारम्भ कार्यक्रम***

दिनांक 2 अगस्त 2024 को विश्वविद्यालय में नूतन पीएच. डी. शोधार्थियों के लिए **'दीक्षारम्भ कार्यक्रम'** का आयोजन किया गया| दीक्षारम्भ कार्यक्रम के मुख्य अध्यक्ष कुलगुरु आचार्य प्रमोद कुमार वर्मा और मुख्य वक्ता प्रो. पी.के. सिंह, निर्देशक, भारतीय प्रबंधन संस्थान, तिरुचिरापल्लि थे। कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुपूजन एवं वैदिक मंगलाचरण से हुआ। प्रो. सिंह ने अपने वक्तव्य में शोध के वर्तमान परिदृश्य, अनुसंधान की नयी प्रवृत्तियों और नई तकनीकों के बारे में चर्चा की। छात्रों को नई दिशा में सोचने और अनुसंधान के प्रति नवीन दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। कुलगुरु महोदय का

अध्यक्षीय उद्बोधन नूतन शोधार्थीयों एवं समस्त शैक्षिक कर्मचारियों को प्राप्त हुआ।

- ***बी. एड. दीक्षारंभ कार्यक्रम***

विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग द्वारा 13 अगस्त, 2024 को **'शिक्षारम्भ कार्यक्रम'** के अवसर पर **"शिक्षक-शिक्षा के बदलते स्वरूप : राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के संदर्भ में"** विषय पर आभाषी माध्यम से एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। कुलगुरु आचार्य प्रमोद कुमार वर्मा,ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की एवं मुख्य अतिथि प्रो.गोपाल कृष्ण ठाकुर, शिक्षा विभाग, महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा, मुख्य वक्ता थे। मुख्य वक्ता ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में पर प्रकाश डाला और कहा कि वर्तमान समय में शिक्षकों की कार्य प्रणाली में परिवर्तन हो रहा है, इसमें शिक्षकों को प्रतिपल सीखना अत्यावश्यक हो गया है। भारत केंद्रित शिक्षा प्रदान करने की कोशिश राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 कर रही है जिससे विद्यार्थियों में प्रश्न पूछने की क्षमता का विकास हो सके। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, सभी नवागंतुक विद्यार्थी सभा में उपस्थित रहे।

- ***वेद विज्ञान संकाय का दीक्षारम्भ कार्यक्रम***

वेद विज्ञान संकाय द्वारा दीक्षारम्भ कार्यक्रम दिनांक 31 अगस्त 2024 को हुआ। वेद विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आलोक चन्द्र परिडा ने दीक्षारम्भ कार्यक्रम के उद्देश्यों से सभी श्रोताओं को परिचित कराया। ज्योतिष विभाग के विभागाध्यक्ष, आचार्य मानवेन्द्र पाण्डेय द्वारा कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए आशीर्वचनों से विद्यार्थियों को अभिसिंचित किया गया। सिद्धि एवं ध्यान शिक्षक श्री गिरिजाशंकर चौधरी द्वारा भावातीत ध्यान का परिचय देते हुए ध्यान करने के चार लाभ - मस्तिष्क के पूर्ण विकास, स्वास्थ्य, उत्तम व्यवहार एवं विश्व शांति पर वृहद् व्याख्यान के साथ ही विश्वविद्यालय में प्रचलित नित्य रूद्राभिषेक के बारे में अवगत कराया। शोध समन्वयक डॉ. चन्द्रशेखर मिश्र द्वारा विश्वविद्यालय में संचालित शोध से सम्बंधित समस्त जानकारी प्रदान की गई । इस कार्यक्रम में वेद विज्ञान संकाय के (वेद, ज्योतिष एवं योग) के साथ-साथ विश्वविद्यालय के अन्य विभागों के शिक्षक गण एवं छात्र-छात्राएं भी उपस्थित रहे।

- ***बी. एड. प्रशिक्षु प्रशिक्षण कार्यक्रम***

विश्वविद्यालय के कुलगुरु आचार्य प्रमोद कुमार वर्मा के द्वारा दिनांक 01 अक्टूबर, 2024 को

बी.एड. तृतीय छमाही एवं बी.ए. बी.एड. सप्तम छमाही के प्रशिक्षुओं को शिक्षण दस्तावेज प्रदान किया गया। प्रशिक्षण हेतु विभिन्न विद्यालयों में जा रहे प्रशिक्षुओं को कुलगुरु ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जीवन में ज्ञान के पथ पर निरंतर बढ़ते हुए यह विचार करना है कि हम देश के लिए किस तरह काम आ सकते हैं।

4. प्रशिक्षण कार्यक्रम

- ***कैरिअर काउंसलिंग***

महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय में सामाजिक विज्ञान विभाग के द्वारा दिनांक 31.07.2024 दिन-बुधवार को **"कैरिअर काउंसलिंग"** विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को विभिन्न करियर विकल्पों की जानकारी देना और उन्हें उनकी रुचि एवं क्षमता के अनुरूप सही दिशा में आगे बढ़ने हेतु प्रेरित करना था। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. शशि कुमार ओझा ने विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए अपने अनुभवों को सांझा किया।

- ***एक दिवसीय बौद्धिक सत्र***

विश्वविद्यालय के वेद विज्ञान संकाय अंतर्गत वेद/यज्ञानुष्ठान/ज्योतिष/योग विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों से समागत छात्रों के निरामय जीवन यापन के लिए भारतीय ज्ञान परम्परा अन्तर्गत वेद विज्ञान भावातीत ध्यान एवं योग विज्ञान को केन्द्र करते हुए एकदिवसीय बौद्धिक सत्र का आयोजन किया गया। बौद्धिक सत्र के कार्यक्रम में ज्योतिष विभाग के विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर मानवेंद्र पांडेय ने अध्यक्षता की | ध्यान एवं सिद्ध शिक्षक श्रीमान गिरजा शंकर चौधरी विशिष्ट वक्ता के रूप में एवं मुख्यवक्ता के योग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.नित्येश्वर चतुर्वेदी थे। श्रीमान गिरिजा शंकर चौधरी के द्वारा छात्रों को वैज्ञानिक संत महर्षि जी के परिचय व गुरुशिष्य सम्बन्ध एवं महर्षि जी द्वारा प्रदत्त भावातीत ध्यान पर प्रकाश डाला गया। योग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ नित्येश्वर चतुर्वेदी के द्वारा "स्वास्थ्य के संरक्षण में योग" विषय के ऊपर व्याख्यान के साथ-साथ कुछ सामान्य आसनों का भी प्रायोगिक अभ्यास करवाया गया। पुरुष वर्ग से बी.ए. प्रथम वर्ष के छात्र आनंद यादव एवं महिला वर्ग से बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा सुश्री करिश्मा ने अपना अनुभव साझा किया। इस बौद्धिक सत्र कार्यक्रम में 80 छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

- ***रंगोली प्रतियोगिता***

महर्षि महेश योगी जी के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में ''12 जनवरी को ज्ञानयुग दिवस'' के रूप में रंगोली प्रतियोगिकता, चित्रकला प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें प्रतियोगिता सीनियर वर्ग, जूनियर वर्ग में आयोजित करायी गई जिसमें विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं आप-पास के क्षेत्रीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा भाग लिया गया। जैसे मारथोमा हायर सेकेण्डरी स्कूल सिहोरा, शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल मुरवारी, शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल उमरियापान, सरस्वती हायर सेकेण्डरी स्कूल उमरियापान के जूनियर वर्ग में छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया | पुरस्कार वितरण पश्चात शास्त्रीय संगीत संध्या का आयोजन किया गया जिसमें गायक श्री राजकुमार शास्त्री, श्री गजेन्द्र पाण्डेय , गायिका श्रीमति शशि सिंह राजपूत एवं महर्षि परिवार के सदस्यों द्वारा भजन गायन की प्रस्तुति दी गई।

5. राष्ट्रीय /अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

- ***अंतर्राष्ट्रीय वैदिक सम्मेलन***

दिनांक 9 -10 नवंबर 2024 को जम्मू और कश्मीर में विज्ञान भारती एवं केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित द्विदिवसात्मक अंतर्राष्ट्रीय वैदिक सम्मेलन में प्रतिभाग कर महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय के वेद विभाग ने विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया जिसमें डॉ.आलोक चंद्र परिडा, डॉ नेहा मिश्रा, डॉ चंद्रशेखर मिश्रा ने अपने शोध पत्रों का वाचन किया एवं विश्वविद्यालय के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में श्रौत-यज्ञपात्र

प्रदर्शनी लगाकर भारतीय ज्ञान परंपरा एवं वैदिक परंपरा के महत्व को रेखांकित किया गया। उक्त सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि माननीय उपराज्यपाल जम्मू कश्मीर श्री मनोज सिन्हा जी रहे जिन्होंने विश्वविद्यालय में हो रहे वैदिक सम्मेलन की सराहना की। समापन समारोह के मुख्य अतिथि किष्किंधा से पधारे पूजनीय स्वामी गोविंदानंद सरस्वती महाराज जी रहे

जिन्होंने अपने वैदिक एवं वैज्ञानिक ज्ञान से सभी को अभिभूत कर दिया। विश्वविद्यालय ने अपने श्रौत यज्ञपात्र प्रदर्शनी के माध्यम से इस सम्मेलन में सक्रिय भूमिका निभाई एवं भारत के अनेक राज्यों के विश्वविद्यालयों से आए हुए कुलगुरु एवं वहां के प्रतिनिधियों व प्रतिभागियों के समक्ष अपनी वैदिक ज्ञान परंपरा से अवगत कराया। इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रो.बी.एन् .त्रिपाठी, कुलपति कृषि विश्वविधालय, जम्मू एवं कश्मीर, प्रो. विजय मेनन कुलगुरू, महर्षि पाणिनि विश्वविद्यालय,उज्जैन, म.प्र., प्रो. श्रीधर मिश्र, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जम्मू के निर्देशक, डॉ प्रदीप त्रिपाठी ,वेद विभाग अध्यक्ष, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर आदि ने विश्वविद्यालय की प्रदर्शनी का अवलोकन किया एवं अन्य लोगों ने महर्षि विश्वविद्यालय परिवार से जुड़े हुए अपने अनुभवों को साझा किया।

- ***ज्योतिष एवं कृषि विज्ञान का अन्तःसंबंध विषय पर संगोष्ठी***

26 दिसंबर 2024 को **"ज्योतिष एवं कृषि विज्ञान का अन्तःसंबंध"** विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी की अध्यक्षता प्रो. प्रमोद कुमार वर्मा, माननीय कुलगुरु, महर्षि महेश योगी विश्वविद्यालय ने की। उद्घाटन सत्र में प्रो. वर्मा ने अपने अध्यक्षीय उदबोधन में 'ज्योतिष एवं कृषि के पारस्परिक संबंधों की वैज्ञानिकता एवं आध्यात्मिक महत्त्व' पर विस्तार से बताया कि वैदिक ज्ञान के माध्यम से कृषि को किस प्रकार समृद्ध किया जा सकता है और यह परंपरा केवल धार्मिकता से जुड़ी नहीं है, बल्कि इसका वैज्ञानिक दृष्टिकोण भी अत्यधिक प्रासंगिक है। 'ज्योतिष और कृषि का संबंध प्राचीन वैदिक परंपराओं से जुड़ा है, जो आज भी अत्यंत प्रासंगिक है।'

उनके अनुसार, वैदिक ज्ञान न केवल आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्रदान करता है, बल्कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी कृषि में उपयोगी साबित होता है। किस प्रकार ग्रह, नक्षत्र, और पंचांग का अध्ययन किसानों के लिए मार्गदर्शक हो सकता है। उन्होंने उल्लेख

किया कि फसल चक्र, बीज बोने का समय, सिंचाई, और फसल कटाई के लिए सही समय का निर्धारण करने में ज्योतिष महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता प्रो. विजय कर्ण, आचार्य, संस्कृत विभाग, नालंदा विश्वविद्यालय, नवविहार ने अपने व्याख्यान में ज्योतिष और कृषि के बीच प्राचीन वैदिक परंपराओं के माध्यम से स्थापित गहरे संबंधों को विस्तारपूर्वक समझाया। उन्होंने वैदिक ज्योतिष को केवल एक धार्मिक या आध्यात्मिक अभ्यास न मानकर इसे वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता बताया। प्रो. कर्ण ने बताया कि वैदिक युग से ही कृषि कार्यों में ज्योतिषीय गणनाओं का उपयोग किया जाता रहा है।

सूर्य और चंद्रमा का प्रभाव बीज के अंकुरण, फसल की वृद्धि, और जल संसाधनों पर सबसे अधिक होता है। उन्होंने उल्लेख किया कि कैसे बुध ग्रह भूमि की उर्वरता और मंगल ग्रह फसल में रोग प्रतिरोधक क्षमता को प्रभावित करता है। पंचांग की सहायता से शुभ मुहूर्त का निर्धारण किया जाता है, जिससे बुआई, सिंचाई और कटाई जैसे कृषि कार्य अधिक सफल हो सकते हैं। विशिष्ट वक्ता **डॉ. उपेंद्र भार्गव,** सहायक आचार्य एवं अध्यक्ष, ज्योतिष विभाग, महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय, उज्जैन ने संगोष्ठी में अपने विचार प्रस्तुत करते हुए ज्योतिषीय सिद्धांतों के कृषि में उपयोग और संस्कृत भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कृषि समस्याओं के समाधान में ज्योतिष और संस्कृत ज्ञान के समन्वय को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। **डॉ. मृत्युंजय तिवारी**, सहायक आचार्य एवं अध्यक्ष, (ज्योतिष विभाग, कल्ला जी वैदिक विश्वविद्यालय, राजस्थान) ने अपने सारगर्भित वक्तव्य में ज्योतिष और कृषि के आपसी संबंधों को आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाने का प्रयास किया। उन्होंने जीवन के चार पुरुषार्थ-धर्म, अर्थ, काम, और मोक्ष के संदर्भ में कृषि और ज्योतिष के महत्व को भी स्पष्ट किया। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि ज्योतिष और आधुनिक विज्ञान दोनों का समन्वय कर हम कृषि में बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकते हैं। इसके साथ ही, उन्होंने किसानों को जैविक खेती अपनाने और प्राकृतिक संसाधनों का सम्मान करने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि कृषि को पर्यावरण के लिए अधिक टिकाऊ और लाभकारी बनाया जा सके।

- ***केन्द्रीय बजट पर चर्चा कार्यक्रम***

महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा दिनांक 6 फरवरी 2025 को " केन्द्रीय बजट पर चर्चा" विषय पर एक दिवसीय संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 25 वक्ताओं ने भाग लिया और वित्तीय वर्ष 2025–26 के केन्द्रीय बजट पर विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु

प्रो. प्रमोद कुमार वर्मा ने की। विशेष अतिथि के रूप में पधारे श्री सर्वेश वाजपेयी, रिसर्च साइंटिस्ट, (SESI) ने बजट को "तकनीकी प्रगति, युवा सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में ठोस कदम" बताया।

- ***एनईपी अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम***

उच्च शिक्षा में व्यावसायिक विकास केंद्र (CPDHE) दिल्ली विश्वविद्यालय महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय, कटनी के सहयोग से 10 दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम एनईपी अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम 18 से 28 फरवरी 2025 ऑनलाइन आयोजित की। एफडीपी की शुरुआत एक भव्य उद्घाटन समारोह के साथ हुई, जिसमें भारतीय उच्च शिक्षा को बदलने में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के महत्व को दर्शाया गया। कार्यक्रम में 12 राज्यों के प्रतिभागियों ने एवं 18 से अधिक प्रसिद्ध संकाय सदस्यों ने व्याख्यान दिया| मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएम-टीटीसी) के तहत संचालित इस 10 दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की व्यापक समझ विकसित करना था। इसमें आधुनिक शिक्षा के अभिन्न आठ प्रमुख विषयों पर ध्यान केंद्रित किया गया | 130 संकाय सदस्यों ने प्रतिभागिता की।

समग्र और बहु-विषयक शिक्षा, भारतीय ज्ञान और भाषा विविधता नेतृत्व, शासन और संस्थागत प्रबंधन, समाज में उच्च शिक्षा की भूमिका, अनुसंधान और राष्ट्रीय विकास को बढ़ावा देना, कौशल विकास एकीकरण, समावेशी शिक्षा और छात्र विविधता, शिक्षण और सीखने में आईसीटी इत्यादि विषयों पर प्रकाश डाला गया।

समापन सत्र के मुख्य अतिथि विद्या भारती के महासचिव श्री अवनीश भटनागर थे जिन्होंने अपने सारगर्भित उद्बोधन में नई शिक्षा नीति के मूल दर्शन और उसके राष्ट्रीय पुनर्निर्माण में योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि यह नीति केवल पाठ्यचर्या का परिवर्तन नहीं है, बल्कि यह भारत के सांस्कृतिक, नैतिक और बौद्धिक पुनर्जागरण का माध्यम है। श्री भटनागर जी ने शिक्षकों का आह्वान करते हुए कहा कि वे शिक्षा को केवल जानकारी देने की प्रक्रिया न मानें, बल्कि विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण और राष्ट्र निर्माण के वाहक बनें। उन्होंने गुरु-शिष्य परंपरा, भारतीय ज्ञान प्रणाली और मातृभाषा में शिक्षा के

महत्व पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. प्रमोद कुमार वर्मा एवं विशिष्ट अतिथि प्रो.गीता सिंह निदेशक (CPDHE-दिल्ली)थी। उन्होंने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी और कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी संसाधनों के समन्वित प्रयोग की सराहना की।

- ***श्रीमद्भागवत-महापुराणाश्रित-राष्ट्रीय व्याख्यान***

महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय, ब्रह्मस्थानकरौंदी,कटनी,मध्य प्रदेश, डीएवी डिग्री कॉलेज, वाराणसी, एवं चातुर्वेद प्रचार संस्थान, वाराणसी के संयुक्त तत्त्वावधान में 06 जुलाई 2025 शुक्रवार को श्रीमद्भागवत महापुराण के षष्ठ स्कंद पर दो सत्रों में सफलतापूर्वक राष्ट्रीय व्याख्यान संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. प्रमोद कुमार वर्मा, कुलगुरु, महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय, म.प्र. ने की। प्रथम सत्र में आचार्य निलिम्प त्रिपाठी, महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय,भोपाल विशिष्ट वक्ता थे। उन्होंने ज्येष्ठ शुक्ल एकादशी का माहात्म्य, व्रत का पूर्ण विधि, व्रत का रहस्य तथा श्रीमद्भागवत महापुराण पर आधारित छठे स्कन्द, अजामिलोपाख्यान से लेकर नारायण कवच तक का विस्तृत वर्णन किया। सुपरिभाषित व्याख्या, ध्वनि निर्माण आदि पर भी चर्चा की गई। तत्पश्चात् वृन्दावन से पधारे श्रद्धेय भागवत भास्कर उपाधिप्राप्त कृष्णचन्द्र शास्त्री ठाकुर महाराज ने शास्त्र सम्मत मतानुसार बीच के अन्य स्कन्दों में विविध उदाहरणों सहित षष्ठ स्कन्द के सम्पूर्ण विषय को समझाया। इसके साथ ही उन्होंने बीच-बीच में अन्य स्कंदों से नाना प्रकार के उदाहरणों सहित विषय को सरल और सहज ढंग से, संगीतमय शैली में, शास्त्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया।

6. वैदिक परंपरा एवं ध्यान कार्यक्रम

- ***गीता जयंती महोत्सव पर गीता व्याख्यान माला एवं सामूहिक गीता पाठ***

गीता जयंती महोत्सव के शुभ अवसर पर दिनांक **11 दिसंबर 2024** को विश्वविद्यालय गीता जयंती महोत्सव पर विश्वविद्यालय में गीता व्याख्यान माला एवं सामूहिक गीता पाठ का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. मानवेंद्र पांडेय जी द्वारा की गई। कार्यक्रम के अतिथि वक्ता श्री जलज शर्मा ने "वर्तमान समय में श्रीमद्भगवत गीता का महत्त्व" विषय पर अपने वक्तव्य से सभी को अभिप्रेरित किया | कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो. मानवेंद्र पांडेय ने "विद्यार्थी जीवन में

श्रीमद्भगवत गीता की उपयोगिता" विषय पर विद्यार्थियों के हित में गीता की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि आत्मबोध के लिए अर्जुन जैसा शिष्य एवं श्री कृष्ण जैसा गुरु होने पर आत्मज्ञान की प्राप्ति किसी भी समय संभव है जैसा कि गुरुदेव ब्रह्मानंद सरस्वती जी एवं उनके परम शिष्य महर्षि महेश योगी आज के समय में देखे जाते। विद्यार्थियों के मध्य श्रीमद्भगवत गीता विषय पर परिचर्चा प्रारंभ कराई गई। परिचर्चा के पश्चात महर्षि वेद विज्ञान विद्यापीठ के वैदिक पंडितों एवं विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं व आचार्यों ने सामूहिक गीता पाठ किया।

- ***विश्व ध्यान दिवस***

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने सर्वसम्मति से 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस घोषित किया है। उक्त कथनानुसार महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय में विश्वध्यान दिवस मनाया गया। वेद विज्ञान संकाय के अन्तर्गत वेद विभाग में दिनांक 21/12/24 को विश्व ध्यान दिवस के शुभ अवसर पर सम्पूर्ण विश्व को वैज्ञानिक सिद्ध भावतीत ध्यान से परिचय कराने वाले महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय के प्रथम कुलाधिपति आदरणीय परमपूज्य महर्षि महेश योगी जी के वैश्विक स्तर में वेद विज्ञान व वैदिक ज्ञान के सार्वभौम चिंतन का सामान्य परिचय एवं विश्व शान्ति हेतु योगदान के बारे में एक लघु वीडियो के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। महर्षि महेश योगी जी के द्वारा प्रदत्त भावातीत ध्यान को प्रत्येक दिन प्रातः एवं सायं दोनों समय विधिवत् आत्मसात् करने के लिए प्रोत्साहित भी किया गया। इस कार्यक्रम में सभी वेद विज्ञान संकाय के आदरणीय शिक्षक एवं छात्र उपस्थित थे।

7. वेद मंत्र पाठ / हवन

- ***वैदिक मंत्रपाठ प्रतियोगिता***

परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी के 108 वें अवतरण दिवस के शुभ अवसर पर विश्वविद्यालय में अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है जिसमें दिनांक 8 जनवरी 2024 को वेद विज्ञान संकाय में "वैदिक मन्त्रपाठ प्रतियोगिता" का आयोजन किया गया। छात्रों को कनिष्ठ एवं वरिष्ठ दो वर्गों में विभाजित किया गया। कनिष्ठ वर्ग में संध्योपासना विधि, महर्षि वैदिक गुरु पूजन एवं दुर्गा सप्तशती तथा वरिष्ठ वर्ग में वैदिक मंत्र पाठ के अंतर्गत "पुरुष सूक्त मन्त्र, दुर्गा सप्तशती के श्लोक, एवं श्रीमद्भगवद्गीता का सस्वर वाचन" इत्यादि 6 बिन्दुओं को लेकर प्रतियोगिता का प्रारंभ किया गया जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

प्रतियोगिता में कुल प्रतिभागियों की संख्या 77 थी। आचार्य मानवेन्द्र पाण्डेय, विभागाध्यक्ष, ज्योतिष विभाग, डॉ. आलोक चन्द्र परिडा, वैदिक प्रतियोगिता समन्वयक एवं विभागाध्याक्ष वेद विभाग, डॉ. नित्येश्वर चतुर्वेदी, विभागाध्याक्ष,योग विभाग एवं वेद विज्ञान संकाय के समस्त आचार्य गणों के सहयोग से प्रतियोगिता कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

- *वैदिक संरचना प्रतियोगिता*

विश्वविद्यालय में परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी के 108वें अवतरण दिवस के शुभ अवसर विविध प्रकार के बौद्धिक-आध्यात्मिक- शारीरिक- मानसिक-संरचनात्मक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें उपर्युक्त विविध क्षेत्रों में से छात्रों के संरचना कौशल को वृद्धि करने के लिए दिनांक 11 जनवरी 2024 को वेद विज्ञान संकाय में "वैदिक संरचना प्रतियोगिता" का आयोजन किया गया । प्रतियोगिता को सुचारू रूप से निर्वहन करने के लिए कनिष्ठ एवं वरिष्ठ के रूप में छात्रों को दो वर्गों में विभाजित किया गया । कनिष्ठ छात्रों के लिए तीन बिंदु थे; अष्टदलपद्मचक्र, नवग्रह मण्डल, कलश निर्माण एवं वरिष्ठ छात्र वर्ग के लिए वास्तु मण्डल निर्माण, कुण्डली चक्र निर्माण, षोडशमातृका मण्डल निर्माण प्रतियोगिताओं के बिन्दु थे। इस प्रकार कुल 6 बिन्दुओं के अनुसार वैदिक संरचना प्रतियोगिता का प्रारम्भ किया गया जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

सभी प्रतियोगिताओं में तीन तीन निर्णायक मण्डली बनाई गई जिसमें कुल 18 निर्णायक विद्यमान थे | यद्यपि महर्षि ज्ञान युग दिवस पहले से ही मनाया जाता रहा है तथापि इस वर्ष विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो. प्रमोद के. वर्मा के द्वारा "महर्षि प्रतिभा खोज प्रतियोगिता" शीर्षक के द्वारा विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले सभी छात्रों के साथ साथ इस क्षेत्र में विद्यमान सभी छात्रों के अन्दर सोई हुई प्रतिभा को जगाने के लिए अथवा दैवप्रदत्त अपनी-अपनी प्रतिभाओं को समाज के सामने निखार कर लाने के लिए जो छात्र वंचित रहते थे |

उन प्रतिभागियों के लिए यह एक स्वर्णिम अवसर प्राप्त हुआ जहां छात्र स्वयं की प्रतिभा से परिचित हुए। वैदिक संरचना प्रतियोगिता में आदरणीय प्रो. प्रमोद के. वर्मा जी सभी प्रतिभागियों की प्रतिभा को देखने हेतु वैदिक संरचना प्रदर्शनी में पधारकर प्रतिभागियों को शुभ आशीर्वाद के साथ साथ उनके अन्दर वैदिक क्षेत्र में संरचना रूपी बीज को पल्लवित करने को कहा। प्रो. वर्मा ने कहा कि केवल पूजा कर्मकाण्ड ही नहीं अपितु इन कुण्डलीचक्र, वास्तुचक्र, षोडशमातृका, नवग्रह इत्यादि मंडलों में जो वैज्ञानिकता छुपी हुई है उसे भी छात्रों को

समझना चाहिए और फिर समाज में उस वैज्ञानिकता को बताने का उत्तरदायित्व लेना चाहिए। विषय चाहे कोई भी हो जब छात्र ज्ञान और विज्ञान दोनों से परिचित होते हैं तभी **महर्षि ज्ञान युग दिवस समारोह** की सार्थकता सिद्ध होगी ।वैदिक संरचना प्रदर्शनी में कुलगुरु जी के साथ आचार्य गण, अशैक्षणिक कर्मचारियों एवं छात्रों के सहयोग से प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

8. राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय सहभागिता

- ***अखिल भारतीय योग संगोष्ठी***

महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय के योग विभाग द्वारा आयुर्वेद एवं योग द्वारा स्वास्थ्य रक्षण पर एक दिवसीय अखिल भारतीय योग संगोष्ठी "गुदा रोगों में आयुर्वेद एवं योग की महत्ता" के संदर्भ में दिनाँक 23 अक्टूबर 2024 आयोजन की गई | मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. सुरेन्द्र त्यागी जी, संकाय एवं विभागाध्यक्ष, योग विभाग, गुरूकुल काँगड़ी हरिद्वार से ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर सेमिनार के विषय पर विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि आज के समय में स्वास्थ्य रहने के लिए आयुर्वेद एवं योग का जीवन में समावेश रखना अत्यन्त आवश्यक है, तथा योग में पातंजल योगसूत्र, हठयोग प्रदीपिका एवं घेरण्ड संहिता में वर्णित व्यक्ति के स्वास्थ्य के विषय में जानकारी प्रदान की। साथ ही संगोष्ठी से संबंधित विषय गुदा रोगों का कारण लक्षण एवं निराकरण के लिए हठयोग प्रदीपिका एवं घेरण्ड संहिता में वर्णित षट्कर्मो पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात् द्वितीय वक्ता के रूप में डॉ. रामकरण सैनी, रिसर्च एसोसिएट, सी.सी.आर.ए.एस., आयुष मंत्रालय, राजस्थान द्वारा आयुर्वेद में वर्णित स्वास्थ्य संबंधित जानकारी देते हुए पी.पी.टी. के माध्यम से गुदा रोग की पहचान, लक्षण, कारण एवं उपचार को विस्तारपूर्वक बताया। आयुर्वेद एवं आधुनिक विज्ञान से जोड़कर इसके निदान से संबंधित जानकारी प्रदान की।

साथ ही यह भी बताया कि गुदा रोगों के विभिन्न स्टेप्स/ग्रेड की चिकित्सा को आयुर्वेद के माध्यम से किस प्रकार किया जाना चाहिए एवं कौन से स्टेप्स/ग्रेड में कौन सा उपचार किया जाना सही होता है, जिससे समय पर इस बीमारी का उपचार किया जा सके। इसके पश्चात् कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे ज्योतिष विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. मानवेन्द्र पाण्डेय जी द्वारा अध्यक्षीय उद्बोधन दिया गया एवं सभी का आभार व्यक्त किया।

- ***प्रथम महाकौशल विज्ञान मेला (जबलपुर) में महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय की गौरवपूर्ण सहभागिता***

दिनांक 15 नवम्बर से 18 नवम्बर 2024 तक जबलपुर नगर में आयोजित प्रथम महाकौशल विज्ञान मेला विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में नए विचारों की प्रस्तुति, अनुसंधान और विकास के लिए एक विस्तृत मंच के रूप में संपन्न हुआ। इस विज्ञान मेले में “अमृतकाल” के संदर्भ में “विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार” को मुख्य विषय बनाकर गहन चिंतन प्रस्तुत किया गया।

उद्घाटन समारोह में मध्यप्रदेश शासन के लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह अध्यक्ष के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय द्वारा योग, आयुर्वेद, वेद और वैदिक अनुसंधान की प्रदर्शनियाँ प्रभावशाली रूप से प्रस्तुत की गईं।

वैदिक ज्ञान का आधुनिक विज्ञान से समन्वय: विश्वविद्यालय के विद्वानों एवं शोधकर्ताओं द्वारा समकालीन वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ योग और वैदिक वाङ्मय का समन्वय करते हुए विविध प्रकल्प प्रस्तुत किए गए। छात्रों एवं आगंतुकों को वैदिक जीवनशैली, ध्यान, और आयुर्वेद से मिलने वाले स्वास्थ्य लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई।

पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों पर शोध विचार प्रस्तुत: विश्वविद्यालय द्वारा जलवायु परिवर्तन, पर्यावरणीय संतुलन तथा मानसिक स्वास्थ्य जैसे विषयों पर अपनी शोध परियोजनाएँ भी मंच पर रखी गईं।

“ब्रह्मोस मैन” डॉ. सुधीर मिश्रा का विश्वविद्यालय-स्टॉल पर आगमन: विश्वविद्यालय के स्टॉल पर देश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक एवं ***"ब्रह्मोस मैन"*** के नाम से प्रसिद्ध डॉ. सुधीर मिश्रा का आगमन हुआ। उन्होंने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रदर्शनियों एवं अनुसंधान गतिविधियों का गंभीरता से अवलोकन किया तथा विशेष रूप से वैदिक पाठ्यक्रमों में रुचि प्रदर्शित की।

विद्यार्थियो की सक्रिय भागीदारी: कई छात्रों ने वैदिक विषयों, संस्कृत और दर्शन में गहरी रुचि दिखाते हुए *पाठ्यक्रमों के लाभ* और *करियर की संभावनाओं* को लेकर प्रश्न पूछे। वैदिक शिक्षा पद्धति छात्रों के *मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक*

विकास में सहायक होती है।

विश्व शांति हेतु रुद्राभिषेक–विद्वानों द्वारा सराहना: मेले में पधारे कई विद्वानों ने विश्वविद्यालय में विगत *ग्यारह वर्षों से अनवरत* चल रहे *विश्व शांति हेतु अति-रुद्राभिषेक* और विविध *यज्ञ अनुष्ठानों* में गहरी रुचि दिखाई तथा इस आध्यात्मिक प्रयास की भूरी-भूरी प्रशंसा की। यह मेला विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, वैदिक एवं अनुसंधानपरक गतिविधियों की सार्थकता का प्रतीक बना। साथ ही, समाज में *योग* एवं *वैदिक विज्ञान* के लाभों के प्रति नवीन जागरूकता उत्पन्न करने में भी इसने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

- ***कुम्भ मीडिया चौपाल -2025***

भारत का सांस्कृतिक पुनरोदय : संचारकों की भूमिका विषय पर एक दिवसीय कुम्भ मीडिया चौपाल-2025 का आयोजन गंगा महासभा शिविर, प्रयागराज में राष्ट्रीय सुरक्षा मंच, पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ़ इंडिया एवं महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में किया गया |

9. अन्य विश्वविद्यालयों या संस्थाओं में प्रतिनिधित्व

- ***राष्ट्रीय मंच पर महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व***

वेद विभाग की सहायक प्राध्यापिका **डॉ. नेहा मिश्रा** ने विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए सारस्वत वक्ता के रूप में नेहरू महाविद्यालय, ललितपुर में दिनांक 11 मार्च 2025 को आयोजित उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थानम् लखनऊ एवं संस्कृत विभाग नेहरू महाविद्यालय ललितपुर के संयुक्त तत्त्वावधान में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में **संस्कृत साहित्य का सांस्कृतिक एवं सामाजिक अवदान** विषय पर अपना वक्तव्य दिया एवं दिनांक 12 मार्च 2025 को ने.म.वि. के संस्कृत विभाग के स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्राओं को **प्रेरणा व्याख्यान** प्रदान किया।

नेहरू महाविद्यालय, ललितपुर (उ.प्र.) में 2 जून 2025 को **"विकसित भारत के निर्माण में संस्कृत साहित्य की भूमिका"** विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में विश्वविद्यालय की सहायक आचार्य डॉ. नेहा मिश्रा को मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया जिसमें डॉ. मिश्रा ने संस्कृत साहित्य की कालजयी परंपरा, भारतीय संस्कृति की पुनर्स्थापना में उसकी भूमिका तथा 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना को रेखांकित करते हुए सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया।

अपने संबोधन में उन्होंने महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय की शैक्षिक विशेषताओं, वैदिक दर्शन आधारित पाठ्यक्रमों,

विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में विश्वविद्यालय की भूमिका एवं 'ज्ञान के साथ आचरण' पर आधारित शिक्षा व्यवस्था का विस्तार से परिचय कराया।

भोपाल शिक्षा मेले में विश्वविद्यालय की गौरवपूर्ण सहभागिता

भोपाल स्थित डी.बी. मॉल में दिनांक 10 से 12 मई 2025 तक दैनिक भास्कर द्वारा आयोजित शिक्षा मेला – करियर केयर काउंसलिंग फेयर में महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय ने कुलगुरु प्रो. प्रमोद कुमार वर्मा जी के संरक्षण व मार्गदर्शन में सक्रिय एवं प्रभावशाली सहभागिता दर्ज की। मेले के उद्घाटन अवसर पर विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति ब्रह्मचारी डॉ. गिरीश जी ने उपस्थित होकर विश्वविद्यालय टीम का उत्साहवर्धन किया और कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु मंगलकामनाएँ दीं। उद्घाटन सत्र में कुलगुरु प्रो. प्रमोद कुमार वर्मा, एवं प्रो. जय प्रकाश शुक्ल, प्रोफ़ेसर ऑफ़ प्रैक्टिस एवं विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी डॉ. के. के. त्रिपाठी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

विश्वविद्यालय के स्टॉल पर पाठ्यक्रमों से संबंधित विस्तृत जानकारी आकर्षक बैनर एवं पम्पलेट्स के माध्यम से प्रदर्शित की गई। आगंतुक छात्र-छात्राओं तथा अभिभावकों को पाठ्यक्रम संरचना, शुल्क विवरण, शैक्षणिक गुणवत्ता एवं विश्वविद्यालय की विशिष्टताओं की जानकारी समर्पित भाव से प्रदान की गई।

विशेष रूप से भारतीय ज्ञान परंपरा आधारित पाठ्यक्रमों में रूचि रखने वाले सेवानिवृत्त व वर्तमान अधिकारी-कर्मचारी, शिक्षक तथा विद्वानजन विश्वविद्यालय के स्टॉल पर आकर जानकारी प्राप्त करते देखे गए। स्थानीय विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों से आये अनेक विद्यार्थी एवं शिक्षकों ने विश्वविद्यालय की विविध उपलब्धियों एवं नवाचारों की सराहना की। विश्वविद्यालय की ओर से डॉ. नेहा मिश्रा, श्री अशोक सिंह तथा श्री उमाकान्त त्रिपाठी ने तीन दिवसीय मेले के दौरान विश्वविद्यालय का सफलतापूर्वक प्रतिनिधित्व करते हुए, शिक्षा क्षेत्र में संस्थान की विशिष्ट पहचान को प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान आगंतुक वरिष्ठ शिक्षकों, समाजसेवियों, शिक्षा-संस्थानों के प्रतिनिधियों को स्मृति चिह्न स्वरूप

डायरी व विवरण पत्रक भेंट कर सम्मानित भी किया गया।

- ***माननीय प्रधान मंत्री जी की जनजातीय युवाओं कि प्रस्तावित चर्चा के सम्बन्ध में बैठक***

दिनांक 11जून 2025 को माननीय प्रधानमंत्री जी की अनुसूचित जनजाति के युवाओं के साथ आगामी समय में आयोजित होने बाले युवा संवाद के तैयारियों जिनमें पी.एम.जन मन , धरतीआवा एवं जनजातीय पारंपरिक ज्ञान को सहेजने पर चर्चा एवं विमर्श के सन्दर्भ में 11 जून 2025 को कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर के नवाब हमीदुल्ला ऑडिटोरियम, भोपाल में मध्य प्रदेश के कुलगुरुओं / प्रतिनिधिओं एवं मध्य प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारिओं की बैठक आयोजित की गयी थी | इस बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय अनुसूचित जनजातीय आयोग के अध्यक्ष श्री अंतर सिंह आर्य ने की | महर्षि महेश योगी विश्वविद्यालय के तरफ से प्रो.जय प्रकाश शुक्ल, प्रो.ऑफ़ प्रैक्टिस ने कुलगुरु के प्रतिनिधि के रूप में सहभागिता की | इस बैठक में बताया गया कि प्रस्तावित संवाद कार्यक्रम में लगभग 10000 छात्र भाग लेंगे एवं इसके लिए तिथि निश्चित होने पर विस्तृत निर्देश प्रदान किये जावेंगे |

10. समझौता ज्ञापन

- ***सीएसआईआर-एम्प्री के साथ***

दिनांक 31 जुलाई 2024 को **राष्ट्रीय हिंदी विज्ञान सम्मलेन** के दौरान महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय, करौंदी, कटनी एवं सीएसआईआर-एम्प्री, भोपाल के साथ सीएसआईआर-एम्प्री के सभागार में समझौता ज्ञापन में हस्ताक्षर हुए | इस अवसर पर मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री, माननीय श्री राजेंद्र शुक्ल , विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. प्रमोद कुमार वर्मा और एम्प्री के निदेशक डॉ.अवनीश कुमार श्रीवास्तव, विज्ञान भारती के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री, श्री प्रवीण रामदास, विज्ञान भारती मध्य भारत प्रान्त के अध्यक्ष डॉ. अमोघ कुमार गुप्ता एवं राष्ट्रीय हिंदी विज्ञान सम्मलेन के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. जय प्रकाश शुक्ल मंचासीन रहे |

अन्य गणमान्य विशेषज्ञ सभागार में उपस्थित रहे | इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलगुरु ने कई सत्रों की अध्यक्षता भी की |

11.विशेष दिवस आयोजन

- ***"हरियाली अमावस्या" पर "एक पेड़ माँ के नाम" वृक्षारोपण अभियान***

विश्वविद्यालय में दिनांक 04 अगस्त 2024 को हरियाली अमावस्या के अवसर पर **'एक पेड़ माँ के नाम' वृक्षारोपण अभियान** का आयोजन किया गया। इस अभियान में विश्वविद्यालय के माननीय कुलगुरु प्रो. प्रमोद कुमार वर्मा एवं विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षक, कर्मचारी और छात्र-छात्राएँ उपिस्थत थे। अभियान के आरम्भ में कुलगुरु महोदय ने वृक्षारोपण के महत्व पर प्रकाश डाला और इसे पर्यावरण संरक्षण के प्रति एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि 'वृक्षारोपण न केवल पयार्वरण को संरक्षित करने में सहायक है अपितु यह समाज में हरित चेतना का भी प्रसार करता है | इसके बाद माननीय कुलगुरु और विश्वविद्यालय के सभी विभागों के शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्रों ने मिलकर विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर विशेष रूप से हरियाली अमावस्या के दिन माँ के नाम पर पेड़ लगाने की प्रेरणा दी गई। प्रत्येक पेड़ को विशेष रूप से माँ के नाम पर लगाया गया और माँ के प्रति सम्मान और प्रेम को दशार्ते हुए संदेश भी प्रेषित किया गया। इस पहल का उद्देश्य समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना और वृक्षों की महत्ता को समझाना था।

- ***राष्ट्रीय पुस्तकालय अध्यक्ष दिवस समारोह***

महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय में दिनांक 12 अगस्त 2024 को **डॉ. एस. आर. रंगनाथन** की 132 वीं जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय पुस्तकालय अध्यक्ष दिवस समारोह का आयोजन हुआ। इस अवसर पर **"डिजिटल युग में ई-संसाधनों का महत्व"** विषय पर विशेष व्याख्यान के मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में श्री अजय सहाय, वरिष्ठ प्रबंधक, जे-गेट इंफार्मेटिक्स आमंत्रित थे। उन्होंने डिजिटल युग में ई-संसाधनों की बढ़ती महत्ता एवं भूमिका पर वृहद प्रकाश डाला । उन्होंने बताया कि कैसे आधुनिक पुस्तकालय इन संसाधनों का उपयोग करके शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में नये आयाम जोड़ सकते हैं। उन्होंने ई-संसाधनों की उपलब्धता और उनके उपयोग के तरीकों पर भी ध्यान केंद्रित किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलगुरु आचार्य प्रमोद कुमार वर्मा ने किया।

- ***राष्ट्रीय हिंदी दिवस***

प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी **14** सितंबर 2024 को राष्ट्रीय हिन्दी दिवस मनाया गया। महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग द्वारा हिन्दी दिवस पर "विश्वभाषा के रूप मे प्रतिष्ठित होती हिन्दी" विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ गुरु पूजन एवं वेद विभाग के छात्रों के द्वारा मंगलाचरण कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई । कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय पूर्व कुलपति प्रो. भुवनेश शर्मा जी ने किया एवं मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. रूपेश कुमार सिंह सह-आचार्य, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय वर्धा, ने अपने व्याख्यान में कहा की वैश्विक पटल पर हिन्दी प्रतिष्ठित होती है तो इसके पीछे का कारण हिन्दी की अपनी विशेषता, रचना संसार, साहित्य, लेखक एवं स्वतंत्रता संग्राम में हिन्दी का प्रयोग होना था। 14 सितंबर 1949 को हिन्दी राजभाषा घोषित की गई हिन्दी के संवर्धन एवं विकास के लिए काशी नगरी प्रचारिणी सभा की स्थापना की गई । आज चीन के बीजिंग शहर में हिन्दी विश्वविद्यालय, अमेरिका में हिन्दी का प्रयोग, त्रिनिदाद, टोबगों,सूरीनाम, मारिसस में हिन्दी का प्रयोग किया जा रहा है। । अध्यक्षीय उद्बोधन में माननीय कुलपति जी ने कहा की भाषा मनुष्य के संवाद का साधन है । भाषा के कारण ही मनुष्य एवं पशु मे अंतर है । मनुष्य चेतन का साकार रूप है जिसकी अभिव्यक्ति भाषा के रूप में होती है । विदेशी आक्रमणकारियों ने प्राकृतिक भाषा को समाप्त करने का प्रयास किया । हिन्दी भाषा समृद्धता के कारण दूसरे भाषाओं के शब्दों का प्रयोग हिन्दी की तरह होता है और कोई अंतर नहीं होता । हिन्दी की शब्द संरचना इतनी सरल है की इसको सीखने मे कोई कठिनाई नहीं होती है । इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त विभाग के विभागाध्यक्षय, प्राध्यापक, एवं छात्र छात्राएं उपस्थित थे ।

- ***अन्तर्राष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस***

वेद विभाग द्वारा भारतीय ज्ञान परम्परा को महत्त्व देते हुए महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय में दिनांक 16/11/2024 को भारतीय ज्ञान परंपरा का पालन करते हुए "अन्तर्राष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस" के परिप्रेक्ष्य में "प्राचीन भारत-सहिष्णुता की प्रतिमूर्ति" विषय पर भाषण प्रतियोगिता एवं "सहिष्णुता को दृष्टि में रखते हुए पोस्टर प्रतियोगिता" आयोजन किया गया ।प्राचीन भारत - सहिष्णुता की प्रतिमूर्ति विषय पर

भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालयीय के आचार्य, एवं छात्र- छात्राएँ उपस्थित रहे।

झलकारी बाई जयंती'

विश्वविद्यालय में स्वतन्त्रता संग्राम की वीरांगना 'झलकारी बाई जयंती' के उपलक्ष्य में दिनांक 21 नवंबर, 2024 को सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा व्याख्यान आयोजित किया गया। झलकारी बाई ने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में रानी लक्ष्मीबाई की सेनापति के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे साहस, समर्पण और देशभक्ति की प्रतीक हैं। उनका चेहरा रानी लक्ष्मीबाई से अत्यंत मिलता-जुलता था। इसी कारण जब अंग्रेजों ने झाँसी पर आक्रमण किया, तब उन्होंने रानी का वेश धारण कर उन्हें बचने का अवसर दिया।झलकारी बाई दलित समाज से थीं, लेकिन उनकी वीरता ने उन्हें भारत के स्वतंत्रता संग्राम की महान नायिकाओं में स्थान दिलाया।

उन्हें 'झाँसी की छाया रानी' भी कहा जाता है। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष श्री नवीन चौबे जी द्वारा की गई। कार्यक्रम की वक्ता सामाजिक विज्ञान विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ. मोनिका वर्मा तथा सारस्वत वक्ता डॉ. सूरज पाण्डेय थे।

- ***वीर बाल दिवस***

दिनाँक 24 दिसंबर 2024 को विश्वविद्याल के सामाजिक विज्ञान विभाग में वीर बाल दिवस के अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के सभी सम्माननीय आचार्यगण एवं विद्यार्थियों की गरिमामय उपस्थिति ने कार्यक्रम को सफल बनाया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विभिन्न विद्यार्थियों ने प्रतिभाग करते हुए अपने विचार प्रकट किए। तदुपरांत वीर बाल दिवस के अवसर पर 14 मिनट का वीडियो वीर बाल साहिबजादे जोरावर सिंह एवं शाहिबजादे फतह सिंह के शौर्य की गाथा से परिचय कराने हेतु विद्यार्थियों के बीच दिखाया गया।

- ***गुरु गोविंद सिंह की जयंती***

दिनाँक 6 जनवरी 2025 को सामाजिक विज्ञान विभाग एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में सिख धर्म के 10वें गुरु, गुरु गोविंद सिंह की जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के सभी सम्माननीय आचार्यगण एवं विद्यार्थियों की गरिमामय उपस्थिति ने कार्यक्रम को सफल बनाया। गुरु गोविंद सिंह जयंती के अवसर पर 20 मिनट का वीडियों उनकी शौर्य की गाथा से परिचय कराने हेतु विद्यार्थियों के समक्ष दिखाया गया। इसके बाद कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में कंप्यूटर साइंस विभाग के सहायक आचार्य, श्री उमाकांत त्रिपाठी एवं मुख्य वक्ता के रूप में डॉ.सूरज पांडेय ने अपने वक्तव्य से सभी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया साथ ही गुरु गोविंद सिंह जयन्ती मनाये जाने के कारणों पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विभिन्न विद्यार्थियों ने प्रतिभाग करते हुए अपने वक्तव्य भाषण, कविता एवं गीत के माध्यम से प्रस्तुत किया और अंत में डॉ. शशि ओझा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उद्बोधन दिया।

- ***मजदूर दिवस***

राष्ट्रीय सेवा योजना, इकाई के अंतर्गत विश्वविद्यालय में में दिनांक 01 मई 2025 को श्रमिक सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य श्रमिको का सम्मान एवं कार्य के प्रति प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में स्वयं सेवकों, शिक्षकों एवं छात्र/छात्राओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सम्यक संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी श्री उमाकान्त त्रिपाठी सहायक प्राध्यापक कम्प्यूटर साइंस विभाग ने किया।

- ***योग दिवस***

योग विभाग द्वारा "प्राणायाम का महत्व" विषय पर त्रिदिवसीय योग कार्यशाला का आयोजन दिनाँक 12 अगस्त से 14 अगस्त 2024 तक सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ।

मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को जीवन शैली, खान-पान एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ योग एवं प्राणयाम से परिचित कराना है, साथ ही विद्यार्थियों के द्वारा समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने का प्रयास करना है।

योग कार्यशाला का योग कार्यशाला का प्रारम्भ गुरू पूजन से किया गया तत्पश्चात् योग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.नित्येश्वर चतुर्वेदी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्राणायाम का परिचय एवं महत्व बतलाते हुए प्राणायाम के अंतर्गत श्वास-प्रश्वास की विधि एवं अनुलोम-विलोम का अभ्यास कराया तथा उसके अध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक लाभों की जानकारी प्रदान की ।

विभागाध्यक्ष डॉ.नित्येश्वर चतुर्वेदी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्राणायाम का परिचय एवं महत्व बतलाते हुए प्राणायाम के अंतर्गत श्वास-प्रश्वास की विधि एवं अनुलोम-विलोम का अभ्यास कराया तथा उसके अध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक लाभों की जानकारी प्रदान की । साथ ही सभी छात्र-छात्राओं को बताया कि श्वास-प्रश्वास का सम्बन्ध व्यक्ति के जीवन में अत्याधिक महत्व रखता है यदि व्यक्ति को श्वास-प्रश्वास की सही जानकारी हो तो वह स्वस्थ्य जीवन जीने के साथ-साथ बहुत सी बीमारियों से दूर रह सकता है। इसके पश्चात् वरिष्ठ ध्यान एवं सिद्धि शिक्षक श्री गिरिजाशंकर चौधरी जी ने प्राणायाम एवं भावातीत ध्यान के सम्बन्ध में गहन जानकारी प्रदान करते हुए प्रथम दिवस की कार्यशाला को पूर्ण किया। कार्यक्रम में सभी विभागाध्यक्ष, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे । योग कार्यशाला के द्वितीय दिवस में गुरू पूजन के पश्चात् योग विभाग के सह-प्राध्यापक डॉ. श्यामबाबू खरे द्वारा प्राणायाम के अंगों एवं प्रकारों पर प्रकाश डालते हुए मुख्य रूप से शीतली प्राणायाम का अभ्यास कराया गया तथा उसके अध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक लाभों की जानकारी विस्तृत रूप से प्रदान की गई ।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए योग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.नित्येश्वर चतुर्वेदी ने प्राणायाम द्वारा विभिन्न प्रकार के रोगों के उपचार की जानकारी प्रदान की। इसके पश्चात् वरिष्ठ ध्यान एवं सिद्धि शिक्षक श्री गिरिजाशंकर चौधरी जी ने भावातीय ध्यान का अभ्यास कराते हुए द्वितीय दिवस की कार्यशाला को सम्पन्न किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे ।

कार्यशाला के तृतीय दिवस में गुरू पूजन के पश्चात् योग विभाग के डॉ.नित्येश्वर चतुर्वेदी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए भ्रामरी प्राणायाम का अभ्यास कराते हुए उसकी विधि, लाभ एवं महत्व की विस्तृत जानकारी प्रदान की । इसके पश्चात् भावातीत ध्यान शिक्षक द्वारा भावातीय ध्यान का अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम के समापन से पूर्व

ज्योतिष विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मानवेन्द्र पाण्डेय, डॉ.आलोक परिडा, डॉ.अभिजीत सिंह जी एवं डॉ.राघवेन्द्र सिंह कलचुरी जी द्वारा विद्यार्थियों को स्वस्थ्य रहने के लिए योग एवं प्राणायाम को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा प्रदान की गई। कार्यक्रम में लगभग विश्वविद्यालय के समस्त विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राओं के साथ कुल 112 सदस्य उपस्थित रहे।

- ***अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस***

महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय में 8 मार्च 2025 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। वैदिक प्रथा से महिलाओं का सम्मान किया गया कार्यक्रम का विषय था "नारी: शक्ति और संवेदना की प्रतीक"। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की महिला शिक्षकों, छात्राओं एवं कर्मचारियों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक एवं प्रेरणादायक प्रस्तुतियाँ दी गई। मुख्य वक्ताओं ने नारी सशक्तिकरण, शिक्षा में महिलाओं की भूमिका तथा आत्मनिर्भरता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं के सम्मान, गरिमा एवं अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

गणतंत्र/स्वतंत्रता दिवस

- ***'हर घर तिरंगा' अभियान कार्यक्रम***

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा 'स्वतंत्रता दिवस' 15 अगस्त के उपलक्ष्य पर प्रायोजित कार्यक्रम 'हर घर तिरंगा

अभियान' के तहत महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय, करौंदी में दिनांक 14 अगस्त 2024 को भव्य रैली का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के प्रशाशनिक भवन से रैली प्रारंभ हुई । हाथों में तिरंगा लिए हुए इस रैली में विश्वविद्यालय के सभी विभागाध्यक्ष, शिक्षक, समस्त विद्यार्थी एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारी सम्मिलित थे। यह रैली नजदीकी बाजार उमरिया पान के झंडा चौक से होकर आजाद चौक होते हुए उमरिया पान थाने पर आकर संपन्न हुई। विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित रैली में उमरिया पान के थानाध्यक्ष, उप निरीक्षक, हेड कांस्टेबल ने अपने सहकर्मियों के साथ 'हर घर तिरंगा' अभियान में अपनी

सहभागिता व सहयोगिता प्रदान की। उमरिया पान के वरिष्ठ समाजसेवी, डॉक्टर, वकील एवं अन्य लोग झंडा चौक से आजाद चौक तक सम्मिलित हुए। उन लोगों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि हमें गर्व है कि विश्वविद्यालय द्वारा ऐसे कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है जिसमें हम सभी इस कार्यक्रम का हिस्सा बन सके। इस कार्यक्रम के संयोजक सामाजिक विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. ईश शक्ति सिंह रहे। विश्वविद्यालय के समस्त विभागाध्यक्ष, शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने माननीय कुलगुरु आचार्य प्रमोद कुमार वर्मा को धन्यवाद दिया जिन्होंने ऐसे कार्यक्रम के आयोजन के लिए प्रेरित किया।

महर्षि ज्ञान युग दिवस

- ***महर्षि ज्ञान युग दिवस पर कटनी में आयोजित प्रेस वार्ता***

दिनांक 6 जनवरी 2025 को महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय, करौंदी, कटनी में महर्षि ज्ञान युग दिवस का आयोजन किया गया |

महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय, ब्रह्मस्थान करोंदी द्वारा आयोजित होने जा रहे **108**वें महर्षि अवतरण दिवस समारोह के उपलक्ष्य में **6** जनवरी **2025** को एक विशेष प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। यह आयोजन महर्षि ज्ञान युग दिवस के पुण्य अवसर पर आयोजित किया गया, जिसमें आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई।

प्रेस वार्ता में विश्वविद्यालय के कुलगुरु व पदाधिकारियों एवं आयोजकों ने बताया कि यह महोत्सव **12** जनवरी **2025** को आयोजित किया जाएगा, जिसमें विभिन्न आध्यात्मिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर देशभर से अनेक संत, विद्वान, शिक्षाविद, विद्यार्थी एवं अनुयायी सम्मिलित होंगे।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए वक्ताओं ने कहा कि महर्षि महेश योगी द्वारा प्रवर्तित ज्ञान, ध्यान और वैदिक विज्ञान के प्रचार-

प्रसार हेतु यह आयोजन एक महत्वपूर्ण मंच है। महर्षि जी की शिक्षाओं को आधुनिक युवा पीढ़ी तक पहुंचाना इस आयोजन का मूल उद्देश्य है।

प्रेस वार्ता का आयोजन **6** जनवरी **2025,** सोमवार को दोपहर **3** बजे विश्वविद्यालय परिसर में किया गया। आयोजकों ने मीडिया के माध्यम से जनमानस से आह्वान किया कि अधिक से अधिक संख्या में इस पुण्य अवसर पर सहभागी बनकर महर्षि के विचारों को आत्मसात करें।

- ***विश्वविद्यालय में 76वां गणतंत्र दिवस***

महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय परिसर में 26 जनवरी को 76वाँ गणतंत्र दिवस गरिमामय वातावरण में हर्षोल्लास एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. प्रमोद कुमार वर्मा ने की। प्रातः 8:00 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान गूंज उठा और उपस्थित जनसमूह ने भारत माता की जयकारों के साथ देशप्रेम का प्रदर्शन किया। कुलपति महोदय ने अपने उद्बोधन में संविधान निर्माताओं के योगदान को स्मरण करते हुए छात्रों को देश के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति गीत, कविताएं, नाटक एवं शारीरिक प्रदर्शन प्रस्तुत किए गए, जो उपस्थित सभी जनों के हृदय को छू गए। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण, कर्मचारी तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन 'वंदे मातरम्' की भावपूर्ण प्रस्तुति के साथ हुआ। अंत में सभी को मिष्ठान वितरण किया गया।

- ***राष्ट्रीय विज्ञान दिवस***

28/02/2025 को वैदिक विश्वविद्यालय में "राष्ट्रीय विज्ञान दिवस" समारोह का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत 'वेद विज्ञान का जन जागरण कार्यक्रम' का आयोजन किया गया जिसमें 'इतिहास में वेद', 'वेद और ज्योतिष विज्ञान' और 'वेदों में विज्ञान' विषय पर विद्वानों द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया| इस कार्यक्रम के अध्यक्ष विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. प्रमोद कुमार वर्मा थे, विशिष्ट वक्ता के रूप में प्रो. मानवेन्द्र पाण्डेय, डॉ. शशि कुमार ओझा थे जिन्होंने ज्योतिष और वेद विज्ञान के संबंध तथा इतिहास में वेद विज्ञान विषय पर विस्तार से चर्चा किया| इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में आचार्य कीर्ति कुमार त्रिपाठी, यमुना प्रसाद शास्त्री महाविद्यालय, सिरमौर, रीवा. म.प्र. ने 'वेदों में वैज्ञानिकता' विषय पर व्याख्यान दिए| इसी क्रम में माननीय कुलगुरु के विशिष्ट कर्तव्यस्थ अधिकारी डॉ. के. के. त्रिपाठी जी ने छात्रों को वेदों में निहित ज्ञान को अपने दैनिक जीवन में किस प्रकार से प्रासंगिक बनाएं इस विषय पर विस्तारपूर्वक एवं गहन चर्चा किए| इस कार्यक्रम की सारगर्भिता की बात की जाए तो वेदों में जो विज्ञान व्याप्त है उसे आधुनिक विज्ञान से जोड़ना अति आवश्यक है|

• *विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन*

05 जून 2025 विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय, कटनी में दो सत्रों में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रथम सत्र में प्रातः 11:30 बजे से 01:00 बजे तक विश्वविद्यालय परिसर में समस्त शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक सदस्यों तथा श्रमिकों द्वारा फलदार वृक्षों का पौधरोपण किया गया। यह सत्र पर्यावरण संरक्षण की दिशा में विश्वविद्यालय के संकल्प को दर्शाता है। द्वितीय सत्र में सायं 4:00 बजे से 5:30 बजे तक एक संगोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसकी अध्यक्षता विश्व हिन्दु परिषद के प्रान्त मंत्री श्री उमेश मिश्र जी ने की। कार्यक्रम की संकल्पना ज्योतिष विभागाध्यक्ष आचार्य मानवेंद्र पाण्डेय जी द्वारा प्रस्तुत की गई। इसके पश्चात सारस्वत वक्ताओं में वरिष्ठ समाजसेवी एवं सांसद प्रतिनिधि श्री पद्मेश गौतम एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग पर्यावरण प्रमुख श्री बृजेश पटेल ने अपने ओजस्वी वक्तव्यों से उपस्थित जनसमूह को प्रेरित किया। संगोष्ठी के दौरान म.प्र. जन अभियान परिषद की ब्लाक समन्वयक श्रीमती बबिता राय द्वारा ढीमरखेड़ा ब्लॉक में पर्यावरण से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। इन कार्यक्रमों के प्रतिभागियों को मंचासीन अतिथियों द्वारा प्रमाण-पत्र भी वितरित किए गए। अध्यक्षीय उद्बोधन में श्री उमेश मिश्र जी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए समाज में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। सभी उपस्थितजनों ने पर्यावरण-संरक्षण हेतु दृढ़संकल्प व्यक्त किया। इस आयोजन में लगभग 1000 से अधिक प्रतिभागियों ने सहभागिता की।

• *पञ्च दिवसीय योग शिविर*

भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा सम्पूर्ण विश्व के लिए घोषित इस वर्ष के योग दिवस की थीम "योगा फॉर वन अर्थ,वन हेल्थ अर्थात् एक पृथ्वी और एक स्वास्थ्य के लिए योग" के उपलक्ष्य में वेद विज्ञान संकाय के अन्तर्गत योग विभाग द्वारा दिनांक 16/06/2025 से 20/06/2025 तक पांच दिवसीय योग शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

दिनांक 16/06/2025 को कार्यक्रम का शुभारंभ अपराह्न 3:00 बजे विश्वविद्यालय के ध्यान सिद्धि शिक्षक श्रीमान् गिरिजा शंकर चौधरी जी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष के रूप में ज्योतिष विभाग के विभाग अध्यक्ष प्रो. मानवेन्द्र पाण्डेय महोदय जी एवं मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमान् गिरिजा शंकर चौधरी जी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में वेद विभागाध्यक्ष डॉ आलोक चन्द्र परिडा जी उपस्थित रहे।

डॉ परिडा ने योग के विविध अर्थों के माध्यम से योग के महत्त्व का प्रतिपादन किया। मुख्यातिथि के रूप में श्रीमान गिरिजा शंकर चौधरी जी ने अष्टांग योग से एक अंग महर्षि महेश योगी जी द्वारा प्रवर्तित भावातीत ध्यान के ऊपर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अध्यक्ष के रूप में प्रो.मानवेन्द्र पाण्डेय महोदय जी ने अपना आध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए प्रतिदिन योग करने के लिए सभी को प्रेरित किया। तदुपरांत उपर्युक्त थीम "योगा फॉर वन-अर्थ,वन-हेल्थ" पर प्रकाश डालते हुए प्रथम दिवस के कुछ सामान्य योगासनों एवं प्राणायामों का अभ्यास कराते हुए कार्यक्रम संचालक योग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ नित्येश्वर चतुर्वेदी जी ने अपना उद्बोधन दिया। इस कार्यक्रम में लगभग 55 विद्यार्थीयों ने योग शिविर का लाभ लिया।

- ***अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस***

दिनांक **21 जून 2025** को महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय परिसर में 11वाँ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस अत्यंत उत्साह और अनुशासन के साथ मनाया गया। इस वर्ष की थीम **"एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग"** रही। प्रातः 6:00 बजे से 8:00 बजे तक आयोजित इस कार्यक्रम में कुल **54 योगाभ्यासियों** ने भाग लिया । कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक गुरुपूजन से हुआ। योग विभागाध्यक्ष डॉ. नितेश्वर चतुर्वेदी ने आयुष मंत्रालय के निर्देशानुसार योग प्रोटोकॉल के अंतर्गत सूक्ष्म योग क्रियाएं एवं विभिन्न योगासनों का अभ्यास कराया । योगाभ्यास के दौरान उन्होंने वैज्ञानिक तथ्यों और उनके चिकित्सकीय लाभों पर भी प्रकाश डाला।

इसके पश्चात ध्यान शिक्षक श्री स्वतंत्र कुमार द्विवेदी द्वारा महर्षि महेश योगी जी द्वारा प्रणीत भावातीत ध्यान का अभ्यास कराया गया, जिससे सभी साधकों ने मानसिक शांति एवं स्थिरता का अनुभव किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. प्रमोद कुमार वर्मा जी ने की। अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में उन्होंने योग की सार्वकालिक प्रासंगिकता, व्यक्ति की शारीरिक-मानसिक शुद्धि तथा आध्यात्मिक उन्नयन में इसकी भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कर्म में कुशलता, जीवन में अनुशासन एवं व्यवहार में शालीनता को समग्र विकास के लिए आवश्यक बताया। साथ ही उन्होंने स्वयं भी योगासन व प्राणायाम करते हुए उपस्थित साधकों का उत्साहवर्धन किया।

योग विभाग के सह-प्राध्यापक डॉ. श्याम बाबू खरे ने आभार ज्ञापित करते हुए सभी को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अनेक शिक्षक/ आचार्य, अधिकारीगण, कर्मचारी एवं छात्रगण उपस्थित रहे |

11. विद्यार्थी गतिविधियाँ

- ***वैदिक क्रीड़ा प्रतियोगिता***

महर्षि ज्ञान युग दिवस के अवसर पर महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय में 7 जनवरी 2025 से 12 जनवरी 2025 तक चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं के अंतर्गत दिनांक 9 जनवरी 2025 को वैदिक क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्घाटन विश्वविद्यालय के माननीय कुलगुरु महोदय, प्रो. प्रमोद कुमार वर्मा जी के कर-कमलों द्वारा हुआ। महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय में महर्षि ज्ञान युग दिवस के उपलक्ष्य में वैदिक क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन एक ऐतिहासिक और प्रेरणादायक कार्यक्रम रहा । इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य छात्रों में शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना और भारतीय पारंपरिक खेलों के प्रति जागरूकता फैलाना था। प्रतियोगिता में विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया, जिनमें कबड्डी, खो-खो और लंबी कूद प्रमुख थे।

प्रतियोगिता का आयोजन: वैदिक क्रीड़ा प्रतियोगिता के अंतर्गत 9 जनवरी को दो प्रमुख खेलों - कबड्डी और खो-खो का आयोजन किया गया। इन खेलों में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में बालक एवं बालिका दोनों ही वर्ग के प्रतिभागियों ने अपने समूहों का उत्साहवर्धन किया और शानदार प्रदर्शन किया। पुरुष वर्ग के पांच एवं महिला वर्ग की तीन समूहों नें कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लिया। खो-खो प्रतियोगिता में पुरुष एवं महिला वर्ग की तीन-तीन समूहों ने प्रतिभाग किया।

कबड्डी के मुकाबले में पुरुष और महिला दोनों वर्गों के प्रतिभागियों ने अपने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों ने अपनी रणनीति और टीम वर्क से खेल को प्रभावी बना दिया। कबड्डी, जो कि एक पारंपरिक भारतीय खेल है, यह प्रतियोगिता का प्रमुख आकर्षण रहा प्रतियोगिता में विभिन्न समूहों ने भाग लिया, और खिलाड़ी अपनी शारीरिक स्फूर्ति, सामूहिक रणनीति और मानसिक ताकत का प्रदर्शन करते हुए एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा करते रहे। कबड्डी में खिलाड़ियों ने बिना किसी उपकरण के केवल अपने शारीरिक बल और सामूहिक समन्वय का उपयोग किया, जो कि इस खेल की विशेषता है। खेल के दौरान छात्रों ने खेल के नियमों का पालन करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। कबड्डी में वेद विभाग के छात्रों नें प्रथम स्थान प्राप्त किया एवं कम्प्यूटर विभाग की छात्राओं ने भी प्रथम स्थान प्राप्त किया | खो-खो प्रतियोगिता : खो-खो प्रतियोगिता भी बहुत ही उत्साहपूर्ण रही। इसमें विश्वविद्यालय के

विभिन्न विभागों से आए छात्रों ने भाग लिया और खेल के हर क्षण को आनंदमयी बना दिया। खो-खो के खेल में तेज़ी, संतुलन और सामूहिक प्रयास की अहम भूमिका रही, जिसे खिलाड़ियों ने बखूबी निभाया। प्रतियोगिता में विभिन्न छात्र-

छात्राओं ने अपनी तेज़ गति और रणनीतिक कौशल से खेल को रोमांचक बनाया। अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन करते हुये पुरुष वर्ग में वेद विभाग के छात्रों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया |

लंबी कूद प्रतियोगिता: विश्वविद्यालय में आयोजित महर्षि ज्ञान युग दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। 10 जनवरी 2025 को वैदिक क्रीड़ा प्रतियोगिता के अंतर्गत बालिका वर्ग की लम्बी कूद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस प्रकार की प्रतियोगिताएं छात्रों के शारीरिक और मानसिक विकास में सहायक होती हैं और विश्वविद्यालय द्वारा इसे आयोजित करने का उद्देश्य छात्रों में उत्साह और प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देना है । जिसमें कंप्यूटर विज्ञान विभाग की साक्षी 12 फुट कूदकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। पुरुष वर्ग में वेद विभाग के छात्र राजकुमार पाण्डेय ने 19 फुट कूदकर ऐतिहासिक जीत हासिल की ।

12. सेवा कार्य

- ***राष्ट्रीय सेवा योजना***

राष्ट्रीय सेवा योजना, महर्षि महेष योगी वैदिक विश्वविद्यालय इकाई, के तत्वावधान में आज दिनांक 10 दिसम्बर 2024 को मानवाधिकार दिवस पर ग्राम करौंदी में रैली का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन माननीय कुलगुरु महोदय के कुशल निर्देशन एवं मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय परिसर से भारत के भौगोलिक केन्द्र बिन्दु तक किया गया। डॉ. शशि कुमार ओझा, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान विभाग ने हमारे अधिकार, हमारा भविष्य, अभी, थीम पर वक्तव्य प्रस्तुत कर छात्र/छात्राओं एवं ग्रामवासियों को मानवाधिकर से संबंधित जानकारी प्रदान किये। श्री नित्येश्वर चतुर्वेदी, विभागाध्यक्ष, योग विभाग ने मानवाधिकरों को सकारात्मक दृष्टि से प्रयोग करने के निए सन्देश देते हुए छात्र/छात्राओं को अपने कर्तव्यों के प्रति सदा सजग रहने के लिए प्रेरित किया गया। डॉ. रत्नेष वर्मा, सहायक प्राध्यापक, सामाजिक विज्ञान विभाग ने समानता, स्वतंत्रता, सभी के लिए सम्मान एवं न्याय पर वक्तव्य प्रस्तुत कर छात्र/छात्राओं को मानवाधिकर से संबंधित जानकारी प्रदान किये। कार्यक्रम में शिक्षकों, स्वयं सेवकों एवं ग्रामवासियों की उपस्थिति रही ।

- ***अखिल भारतीय विश्वविद्यालय योगासन एवं तीरंदाजी प्रतियोगिता***

कलिंगा विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, उड़ीसा में 24 से 28 दिसंबर 2024 आयोजित अखिल भारतीय विश्वविद्यालय योगासन एवं तीरंदाजी प्रतियोगिता में हमारे विश्वविद्यालय की योगासन एवं तीरंदाजी टीमों ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

समाज सेवा और विस्तार गतिविधियाँ

- ***पर्यावरण जागरूकता***

विश्वविद्यालय में सामाजिक विज्ञान विभाग एवं कम्प्यूटर साइंस विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 18.07.2024 को पर्यावरण जागरूकता विषय पर वेबीनार का आयोजन आनलाईन गूगल मीट प्लेटफार्म पर किया गया। वेद विभाग के सहायक आचार्य श्री धनीराम त्रिपाठी एवं श्री हरिनारायण शर्मा ने वैदिक मंगलाचरण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किये। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पर्यावरण के घटको एवं प्रकृति के नियमों की विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए रामचरित मानस एवं श्रीमद्भगवत् गीता में उल्लेखित और वैदिक ग्रंथों से प्रस्तुत विषय को जोड़कर अपने शब्दों में उसकी सरल व्याख्या की। इस कार्यक्रम में शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं तथा भूतपूर्व छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही। डा. शशि कुमार ओझा, सह-प्राध्यापक सामाजिक विज्ञान विभाग ने अध्यक्षीय उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए मुख्य वक्ता एवं शैक्षणिक/ अशैक्षणिक स्टाफ के प्रति क्रतज्ञता ज्ञापित किया। साथ ही छात्र-छात्राओं की प्रति वात्सल्य भाव व्यक्त किये।

- ***कंप्यूटर साक्षरता – आत्मनिर्भरता की कुंजी***

राष्ट्रीय सेवा योजना, महर्षि महेष योगी वैदिक विश्वविद्यालय इकाई, के तत्वावधान में दिनांक 21 अगस्त 2024 को कंप्यूटर साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य छात्र/छात्राओं को कम्प्यूटर टेक्नोलाजी की आधारभूत जानकारी देना और कम्प्यूटर शिक्षा के प्रति प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में स्वयं सेवकों, शिक्षकों एवं करौंदी स्कूल के छात्र/छात्राओं की उपस्थिति रही।

स्वच्छता अभियान

- *'स्वच्छता पखवाड़ा सप्ताह'*

स्वच्छता पखवाड़ा एक राष्ट्रीय अभियान है, जिसका उद्देश्य भारत को स्वच्छ और स्वस्थ बनाने के लिए जागरूकता फैलाना और स्वच्छता संबंधी गतिविधियों को बढ़ावा देना है। यह अभियान लोगों को स्वच्छता के महत्व को समझने और अपने दैनिक जीवन में स्वच्छता को अपनाने के लिए प्रेरित करता है।

विश्वविद्यालय में स्वच्छता पखवाड़ा दिनांक 14 सितम्बर, 2024 से दिनांक 02 अक्टूबर, 2024 तक मनाया गया। इस उपलक्ष्य में 30 सितंबर, 2024 को प्रातः 11:00 बजे 'स्वच्छता ही सेवा' के जन जागरूकता अभियान की रैली को कुलगुरु आचार्य प्रमोद कुमार वर्मा ने विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया | जन जागरूकता अभियान रैली करौंदी गाँव से होते हुए भारत के मध्य बिंदु से होकर उमरियापान थाने में पहुंची जहाँ पर सी. एम. राइज शा. उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उमरियापान एवं शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उमरियापान के विद्यार्थी, शिक्षक एवं प्रधानाचार्य के साथ-साथ ग्राम पंचायत उमरियापान के सदस्यों ने एक साथ मिलकर महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय के नेतृत्व में जनजागरूकता अभियान झंडा चौक से प्रारंभ किया।

दिनांक 02 अक्टूबर, 2024 पर महात्मा गाँधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी के जन्मदिवस पर महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय के कुलगुरु जी एवं सिहोरा रोड रेलवे स्टेशन के अधिकारियों के संयुक्त नेतृत्व में शिक्षक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों ने सामूहिक श्रम दान करते हुए सिहोरा रोड रेलवे स्टेशन परिसर की साफ सफाई के प्रति किया। इस "स्वच्छता ही

सेवा है” अभियान में विश्वविद्यालय परिवार के साथ साथ सिहोरा रोड रेलवे अधिकारी-कर्मचारी संघ, रेलवे सफ़ाई कर्मचारी संघ, रेलवे स्टेशन ऑटो चालक संघ सहित अनेक यात्रियों ने भी सक्रिय भागीदारी की। इस अवसर पर स्टेशन परिसर में गांधी जी के प्रिय भजनों सहित राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत गीतों का कार्यक्रम भी रखा गया था। भजन कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से किया गया।समाज को जोड़कर स्वच्छता अभियान का संचालन विश्वविद्यालय की एक अनूठी पहल है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

- ***स्वास्थ्य शिविर-एड्स जागरूकता अभियान***

महर्षि महेष योगी वैदिक विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई के तत्वावधान में दिनांक 01 दिसम्बर 2024 को विश्व एड्स दिवस पर एड्स जागरूकता अभियान का आयोजन ग्राम करौंदी में किया गया। कार्यक्रम आयोजन का मुख्य उद्देश्य इस भयानक वायरस के बारे में जागरूक एवं संरक्षण करना है। कार्यक्रम में स्वयं सेवकों एवं ग्रामवासियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सम्यक संयोजन महर्षि महेष योगी वैदिक विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी श्री उमाकान्त त्रिपाठी सहायक प्राध्यापक कम्प्यूटर साइंस विभाग ने किया।

- ***स्वच्छता जागरूकता अभियान***

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के अंतर्गत दिनांक 05 दिसम्बर 2024 को स्वच्छता जागरूकता अभियान का आयोजन ग्राम करौंदी में किया गया । इस कार्यक्रम का आयोजन डॉ. शशि कुमार ओझा, सह प्राध्यापक, सामाजिक विज्ञान विभाग एवं श्री सीमान्त शर्मा विभागाध्यक्ष कम्प्यूटर साइंस विभाग के अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना, महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय के सलाहकार समिति, कार्यकारिणी समिति एवं वित्तीय प्रबंधन समिति के सह-सम्मति एवं मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक स्वयं सेवकों एवं ग्रामवासियों की उपस्थिति रही।

- ***राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत रक्तदान शिविर का आयोजन***

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के तत्वावधान में दिनांक 07/01/2025 को रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम समाज सेवा की भावना को प्रोत्साहित करने तथा जीवन रक्षण के प्रति युवाओं में जागरूकता लाने के उद्देश्य से संपन्न हुआ। शिविर में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने युवाओं को सेवा भाव के लिए प्रेरित किया और रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन NSS कार्यक्रम अधिकारी श्री उमाकांत त्रिपाठी के द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. प्रमोद कुमार वर्मा ने इस मानवीय प्रयास की सराहना की और NSS इकाई को बधाई दी।

- ***स्वच्छता जागरूकता अभियान***

विश्वविद्यालयी राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के अंतर्गत दिनांक 05 दिसम्बर 2024 को स्वच्छता जागरूकता अभियान का आयोजन ग्राम करौंदी में किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन डॉ. शशि कुमार ओझा, सह प्राध्यापक, सामाजिक विज्ञान विभाग एवं श्री सीमान्त शर्मा विभागाध्यक्ष कम्प्यूटर साइंस विभाग के अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना, महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय के सलाहकार समिति, कार्यकारिणी समिति एवं वित्तीय प्रबंधन समिति के सह-सम्मति एवं मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक स्वयं सेवकों एवं ग्रामवासियों की उपस्थिति रही।

13. विश्वविद्यालय में आगंतुक अतिथियों का स्वागत

- ***प्रो.स्वाति भदौरिया का विश्वविद्यालय आगमन***

विश्वविद्यालय, करौंदी में प्रो. स्वाति भदौरिया का 27 जुलाई 2024 को सपरिवार आगमन हुआ। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर का गहन भ्रमण किया एवं वैदिक जीवनशैली की विविध विशेषताओं से परिचित हुईं। विशेष रूप से, उन्होंने "भावातीत ध्यान" (Transcendental Meditation) का सपरिवार प्रशिक्षण प्राप्त किया, और विश्वविद्यालय प्रमुख आकर्षण नित्य अतिरुद्राभिषेक में संमलित हुई जहां उन्होंने अंतःशांति एवं चित्त की स्थिरता का विशेष अनुभव किया। विश्वविद्यालय के विद्वान आचार्यों एवं प्रशिक्षकों से उन्होंने भावातीत ध्यान की वैज्ञानिकता, सार्वभौमिकता एवं जीवन में इसके प्रभावों पर भी संवाद किया।

इस प्रेरणास्पद यात्रा में प्रो. स्वाति भदौरिया ने विश्वविद्यालय की वैदिक परंपरा, शांति पूर्ण वातावरण एवं अनुसंधानात्मक गतिविधियों की सराहना की। उन्होंने भावी पीढ़ियों के लिए वैदिक ज्ञान और ध्यान को अत्यंत आवश्यक बताया तथा अपने अनुभवों को आत्मिक संतोषदायक और जीवनदायी बताया।

ब्रिगेडियर विनय सिंह चौहान एवं डॉ. कीर्ति सिंह चौहान का विश्वविद्यालय आगमन

महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय, ब्रह्मस्थान करौंदी में दिनांक 20/03/2025 को ब्रिगेडियर विनय सिंह चौहान (विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग, ए.एफ.एम.सी., पुणे) एवं जीवन कुशल प्रशिक्षक डॉ. कीर्ति सिंह चौहान ने सपरिवार विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। इस विशेष अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार ने उनका आत्मीय स्वागत किया। दोनों अतिथियों ने परिसर का विस्तृत अवलोकन करते हुए विश्वविद्यालय की वैदिक परंपरा, अनुसंधान गतिविधियों एवं शैक्षिक

वातावरण की सराहना की। भ्रमण के दौरान उन्हें भावातीत ध्यान की विधियों एवं वैज्ञानिक आधारों से भी परिचित कराया गया। विशेष रूप से, डॉ. कीर्ति सिंह चौहान ने ध्यान सत्रों में सहभागिता कर भावातीत ध्यान की प्रभावशीलता को अनुभव किया एवं इसे आत्मिक संतुलन, मानसिक स्पष्टता एवं जीवन प्रबंधन हेतु अत्यंत उपयोगी बताया। ब्रिगेडियर विनय सिंह चौहान ने भी वैदिक मनोविज्ञान एवं ध्यान की आधुनिक उपयोगिता पर चर्चा की तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में इसकी भूमिका को रेखांकित किया। दोनों अतिथियों ने विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. प्रमोद कुमार वर्मा एवं संपूर्ण टीम को ऐसे अद्वितीय शिक्षण एवं शोध वातावरण के निर्माण हेतु शुभकामनाएँ दीं।

****

14. PUBLICATIONS

Alok Chandra Parida 2024: "यज्ञस्य महत्त्वम् "- International Journal of Scientific and Technical Advancements (IJSTA), (Vol. 8, No. 4), IJSTAV8N4Y24-M31, PP.87-94, Jammu & Kashmir

Chandra Shekhar Mishra 2024: वेदाङ्गेषु रुद्रस्वरूपस्य चर्चा ′, International Journal of Scientific and Technical Advancements (IJSTA), (Vol.8, No.4), IJSTAV8N4Y24- M32, PP.95-96, Jammu & Kashmir

Khushendra Dev Chaturvedi 2025: National Journal of Hindi & Sanskrit Research (NJHSR) Vol - 59, ISSN NO-2454-9177, PN- 60-61, Tirupati

Mishra N. 2024: आध्यात्मिक चिंतन का महत्व. International Journal of Scientific and Technical Advancements (IJSTA), Special Edition (Vol. 8, No. 4), IJSTAV8N4Y24-M36, pp. 103–104.

Singh A. 2024: शैक्षणिक ग्रंथालय सेवाओं का मूल्यांकन: मध्य प्रदेश के विशेष संदर्भ में, Information Journal of Social Science & Management Studies (I.S.S.M.S) Peer Reviewed & Refereed Journal (Vol.10, Issue 11) ISSN-2454-4655

Singh A. 2024: An Analysis of Library Service Quality of Engineering Institutions in Madhya Pradesh- One Day International Seminar on Multidisciplinary Research and Methodology with New Trends and Era. Govt. Ranidurgawati College Balrampur C.G.

Singh A.2025: वर्तमान समय में भारतीय ज्ञान प्रणाली में वैदिक ग्रंथालय का महत्व, International Conference of Asian Academic Libraries (ICAAL2015). Jiwaji University Gwalior M.P

Verma R. 2025: Literature and religion- John Milton and his Paradigm Towards Religion. International Multilingual Research Journal. Issue-121-vol-01(January 2025) ISSN - 2394-5303

Verma PK. 2025: World peace through enlightenment-The vision of Maharshi Mahesh Yogi. Int. Conf. On Science & Spirituality for Global Peace and Harmony. IAPIC-2025, Hyderabad.

Verma PK. 2025. Women empowerment in India: progress, challenge, and prospects. All India Vice Chancellor's Conclave. Bhopal. March 2-3, 2025.

Verma PK. 2024. Decentralized and Agile Governance Models in Universities. Asha Paras International Multidisciplinary Research Journal. ISSN: 2584-2412. Vol. 1 Issue 2 (July-Dec 2024). Pp. 45-49

Verma PK. 2024. Origin of Life and Evolution as described by Maharishi Mahesh Yogi. International Conference on a Dialogue between Vedanta and Science on the Origin of Life and Evolution (Vedanta and Science Dialogue Series: VSDS — 2024), November 23—24, 2024. Kathmandu, Nepal.

समाचार पत्रों से

रेवांचल टाइम्स

यश भारत

रेवांचल टाइम्स

प्रदूषण के प्रमुख कारणों
एक गंभीर चुनौती :

ड्रोन और स्पेस टेक्नोलॉजी में दो दिवसीय प्रशिक्षण

महर्षि महेश योगी वैदिक वि
में कार्यशाला आयोजित

नवभारत कटनी। महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय में ड्रोन, रोबोटिक्स, एआई और स्पेस टेक्नोलॉजी पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के कुलगुरु आचार्य प्रमोद कुमार वर्मा अध्यक्ष रहे। मध्य प्रदेश शासन के आईटी ऑफिसर डॉ. मुकेश गुप्ता मुख्य अतिथि थे। कार्यशाला के पहले दिन तीन सत्र हुए। डॉ. गुप्ता ने ड्रोन टेक्नोलॉजी और इसके उपयोग समझाए। उन्होंने युवाओं को रोजगार के अवसरों की जानकारी दी। ग्रामीण महिलाओं के लिए ड्रोन से जुड़े अवसरों पर चर्चा हुई। रिमोट सेंसिंग और जीआई टैगिंग की जानकारी भी दी गई। दूसरे दिन छात्रों को ड्रोन और भुवन एप का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। रिमोट सेंसिंग सॉफ्टवेयर का उपयोग सिखाया गया। विभिन्न संस्थाओं के पाठ्यक्रमों की जानकारी ऑडियो-वीडियो से दी गई। नेविगेशन, सैटेलाइट और रॉकेट तकनीक की जानकारी भी दी गई।

महर्षि विश्वविद्यालय
एक दिवसीय योग संगो

उमरियापान, यशभारत। महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय में योग विभाग की ओर से कल बुधवार को आयुर्वेद एवं योग द्वारा स्वास्थ्य संरक्षण एक दिवसीय अखिल भारतीय योग संगोष्ठी ...

शीर्षकम् - राष्ट्रीय
क विश्वविद्यालये स्वच्छ

छात्र-छात्राओं ने किया करोंदी आश्रम का शैक्षणिक भ्रमण

सिटी भास्कर, कटनी। पीएमश्री हायर सेकेंडरी स्कूल मझगवां के छात्र-छात्राओं ने करोंदी महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय का शैक्षणिक भ्रमण किया। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों और गतिविधियों को जानने और वैदिक शिक्षा प्रणाली को समझने के उद्देश्य से आयोजित परिसर दौरा में उन्होंने पुस्तकालय, प्रयोगशालाओं और अन्य शिक्षण सुविधाओं का अवलोकन किया। इस दौरान वैदिक मंत्रों के उच्चारण और ध्यान के महत्व को भी जाना। स्कूल प्रधानाचार्य ने कहा कि भ्रमण से विद्यार्थियों को वैदिक और आधुनिक शिक्षा को करीब से समझने का अवसर मिलेगा।

"एकादशीमालक्ष्य श्रीमद्भागवत- महापुराणाश्रित-राष्ट्रियव्याख्यानगोष्ठी सुसम्पन्ना"

विश्वस्य वृत्तान्तः दैनिक संस्कृतवार्तापत्रम्

शिक्षा-क्षेत्रे महर्षिमहेशयोगिवैदिकविश्वविद्यालयस्य प्रभावीपूर्णा प्रस्तुतिः गौरवपूर्णं सहभागित्वञ्च

हिमसंस्कृतवार्ताः

"एकादशीमालक्ष्य श्रीमद्भागवत-महापुराणाश्रित-राष्ट्रियव्याख्यानगोष्ठी सुसम्पन्ना"

स्वच्छता, नशा मुक्ति और साइबर अपराध को लेकर किया गया जागरूक

उमरियापान, जबलपुर (एक्सप्रेस)। महर्षि सामाजिक उत्थान अभियान के अंतर्गत करौंदी स्थित महर्षि विश्वविद्यालय ... उमरियापान में ग्रामीणों को ... किया। कुलगुरु प्रो. प्रमोद ... थाना से कटरा बाजार ... वेद विभाग के छात्रों ने ... कुमार शुक्ल, आशुतोष ... को लेकर जानकारी देते ... अभिलाषा चक्रवर्ती ने ... किया। कटरा बाजार में ... योग के महत्व को ... किया। ब्रजेश मिश्रा ... इस मौके पर ... रहे।

स्वच्छता, नशा मुक्ति और साइबर अपराध को लेकर जागरूक, योगाभ्यास कर बताया महत्व

महर्षि सामाजिक उत्थान अभियान के तहत जन जागरूकता कार्यक्रम का किया आयोजन

"एकादशीमालक्ष्य श्रीमद्भागवत- महापुराणाश्रित-राष्ट्रियव्याख्यानगोष्ठी सुसम्पन्ना"

स्वच्छता, नशा मुक्ति और साइबर अपराध को लेकर जागरूक ... बताया महत्व

स्वच्छता एवं नशा मुक्ति के लिए किया गया ज...

महर्षि सामाजिक उत्थान अभियान के अंतर्गत करौं... नशा और साइबर अपराध को लेकर जागरूक कि... पुलिस थाना से कटरा बाजार तक पैदल जागरू... शुक्ला, आशीष मिश्र, आयुष शर्मा, अक्षय कुमार शु... लेकर जानकारी देते हुए ग्रामीणों को जागरूक कि... माध्यम ग्रामीणों को जागरूक किया। कटरा बाजा... को बताया। बीएबीएड की छात्रा पूनम राय ने विश्व... चालीसा का पाठ किया। इस मौके पर विभागी...

3

विश्वस्य वृत्तान्तः दैनिक संस्कृतवार्तापत्रम्

महर्षिमहेशयोगीवैदिकविश्वविद्यालये सहर्षं परिपालितं भारतीयनववर्षम्

पत्रिका

आयोजन | उमरियापान में वेद विभाग के छात्रों ने साइबर अपराध से बचने ग्रामीणों को किया जागरूक

नुक्कड़ नाटक से बताया साइबर अपराध से बचना है तो सतर्क और सावधान रहें

अपराधों के विरुद्ध रक्षा कवच पत्रिका अभियान

...अपराध को लेकर जानकारी देते हुए ग्रामीणों को जागरूक किया। बीएबीएड की छात्रा अभिलाषा चक्रवर्ती ने ... लेकर गीत के माध्यम ... कटरा बाजार में योग ...गों का योगाभ्यास कर...

अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति रूचि जगाने हुआ प्रयास

करौंदी में अंतरिक्ष विज्ञान पर प्रदर्शनी व कार्यशाला का आयोजन

वानस्पतिक प्रसारण, गुण-दोष की दी जानकारी

प्रदूषण के प्रमुख कारणों में प्लास्टिक गंभीर चुनौती

ब्रह्मस्थान करौंदी स्थित महर्षि वैदिक विश्व... मनाया गया पर्यावरण दिवस

अंतरिक्ष कार्यक्रम भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियां तथा सामाजिक अनुप्रयोग पर आयोजित हुई कार्यशाला

इसरो के वैज्ञानिकों ने कार्यशाला में लिया हिस्सा चंद्रयान यात्रा के अनुभवों ने किया रोमांचित